हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 27 : | जौनपुर, शनिवार 21 अक्टूबर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

संक्षिप्त समाचार

तीसरी बेटी पैदा होने पर पति ने दिया तीन तलाक

बांदा (संवाददाता)। जिले में एक महिला ने तहरीर देते हुए बताया कि उसकी शादी 8 साल पहले फतेहपुर जनपद अंतर्गत बिंदकी में हुई थी। पीड़िता की दो बेटियां पहले से थीं, जब उसकी तीसरी बेटी पैदा हुई तो उसके पति ने घर से निकाल दिया और दहेज की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद में उसे तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने 8 लोगों पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला पैलानी थाना अंतर्गत से सामने आया है, जहां पर एक महिला ने बताया कि उसकी शादी 8 साल पहले फतेहपुर जनपद अंतर्गत बिंदकी में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसे परेशान करने लगे थे। मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। पीड़िता ने बताया कि उसके पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। उसकी तीन मासूम बेटियां हैं। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए बताया कि जब उसकी तीसरी बेटी पैदा हुई तो पति सहित अन्य ससुरालीजन बहुत नाराज हुए और उसे जान से मारने की धमकी देकर घर से निकाल दिया। सभी ससुरालीजन पति को तलाक देने के लिए उकसाने लगे। इस वजह से पति कहने लगा कि 'दहेज में एक लाख रुपए लेकर आना वरना तलाक दे दूंगा'। कई बार रिश्तेदारों के साथ पंचायतें हुई लेकिन बात नहीं बनी। आखिर में नाराज पति ने फोन कर तीन तलाक दे दिया।

दहेज के लिए बहू को घर से निकाला बाहर

बांदा (संवाददाता)। जिले में एक नवविवाहिता ने ससुराल के खिलाफ तहरीर दी। बताया कि उसके ससुराल वाले दो लाख रुपए की मांग कर रहे है। साथ ही पति उस पर दोस्तों संग संबंध बनाने का दबाव भी बनाया। परिवार के लोग भी उसके साथ छेड़खानी करते है। जब विरोध करती है तो उसको जान से मारने की धमकी दी जाती है। अंत में ससुराल जनों ने उसे घर से मारपीट कर बाहर निकाल दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला बांदा जनपद के बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत का है। जहां नवविवाहिता के पिता ने बताया कि उसकी बेटी की शादी–2022 में चित्रकूट में की थी। जितना हमसे हो सका था हमने उतना दहेज दिया। लेकिन शादी के बाद से ही ससुरालीजन दहेज को लेकर बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। युवक के मुताबिक, ससुराल वालों ने बेटी से कहते थे कि अपने घर से 2 लाख रुपये और चेन लाओ नहीं तो तुमको नौकरानी बनाकर रखेंगे।

अंतर्जनपदीय बदमाश के साथ पुलिस की मुठभेड़

उरई/जालौन (संवाददाता)। जालौन में गुरुवार की देर रात 25 हजार के इनामी अंतर्जनपदीय बदमाश के साथ कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। जिसे घायलावस्था में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। साथ ही इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जिस बदमाश के पैर में गोली लगी वह इटावा का रहने वाला है। जालौन में गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहा था। क्षेत्राधिकारी रविंद्र कुमार गौतम ने बताया कि जालौन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत सहाव मोड़ के पास कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम चेकिंग कर रही थी।

जिसका शिलान्यास करते हैं, उसका उद्घाटन भी हम ही करते हैं,पीएम बोले

हर क्षेत्र में प्रगति की नई गाथा लिख रहा देश

(एजेन्सी)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद में कहा कि भारत की पहली रैपिड रेल सेवा 'नमो भारत' ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाना ऐतिहासिक क्षण है। वह यहां विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बेंगलुरु मेट्रो के 'ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर' के दो हिस्सों का भी औपचारिक उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आज साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक नमो भारत का संचालन शुरू हो गया है। जिसका हम शिलान्यास हम करते हैं उसका उद्घाटन भी हम करते हैं। मोदी ने कहा कि आरआरटीएस के पहले चरण को हरी झंडी दिखाई जा चुकी है; जब हम अगले 18 महीने में दिल्ली–मेरठ पूर्ण सेवा शुरू करेंगे तब मैं आपके बीच रहूंगा। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भारत तभी प्रगति कर सकता है जब राज्य विकसित होंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे इस आधुनिक ट्रेन से यात्रा का भी अनुभव प्राप्त हुआ है। मैंने तो बचपन रेलवे प्लेटफार्म पर बिताया है

और आज रेलवे का ये नया रूप मुझे सबसे ज्यादा आनंदित करता है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां नवरात्रि में शुभ कार्य की परंपरा है। देश की पहली नमो भारत ट्रेन को भी मां कात्यायनी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। इस नई ट्रेन में ड्राइवर से लेकर सभी कर्मचारी महिलाएं हैं। ये भारत की नारीशक्ति के बढ़ते कदम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नमो भारत ट्रेन में आधुनिकता भी है और स्पीड भी है ये नमो भारत ट्रेन नए भारत के नए सफर और नए संकल्पों को परिभाषित कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बेंगलुरु में मेट्रो की दो लाइनों को भी देश को समर्पित किया गया है। इससे बेंगलुरु के आईटी हब की कनेक्टिविटी और बेहतर हुई है। बेंगलुरु में हर रोज लगभग 8 लाख लोग मेट्रो से सफर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का हमारा भारत आज हर क्षेत्र में प्रगति की नई गाथा लिख रहा है। आज का भारत चंद्रयान को चंद्रमा पर उतारकर दुनिया में छाया हुआ है। आज का भारत G20 का इतना शानदार आयोजन करके दुनिया के लिए आकर्षण, उत्सुकता और दुनिया का भारत के साथ जुड़ने का एक नया अवसर बन गया है। उन्होंने कहा कि आज का भारत एशियन गेम्स में 100 से ज्यादा पदक जीतकर दिखाता है। आज का भारत अपने दम पर 5G लॉन्च करता है और उसे देश के कोने–कोने में ले जाता है। आज का भारत दुनिया में सबसे ज्यादा डिजिटल लेन–देन करता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने 150झड तक इसकी (रैपिड रेल) की यात्रा स्वयं भी की। ये सेवा दिल्ली से मेरठ की दूरी को कम कर देगी। इससे पहले मेरठ को 12 लेन के एक्सप्रेस हाईवे के साथ जोड़ा जा चुका था। 12 लेन का एक्सप्रेस हाईवे उत्तर प्रदेश में होना कभी सपना हुआ करता था लेकिन मोदी है तो मुमकिन है। जिस दूरी के लिए 4 घंटे लगते थे आज मात्र 45 मिनट में इस दूरी को तय किया जा सकता है। अब रैपिड रेल के प्रारंभ होने के साथ दिल्ली मेरठ के बीच की दूरी को उसी रूप में कम करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मेट्रो निर्माण कार्यों में अन्य देश हमसे काफी आगे था लेकिन अब हम उनके बराबर ही नहीं पहुंचे हैं बल्कि हम जल्द ही उनसे आगे निकलेंगे। 2–3 वर्ष में भारत अमेरिका को पीछे छोड़कर दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में से दूसरी सबसे बड़ी मेट्रो सिस्टम बनने जा रहा है। नमो भारत इस अमृतकाल में नया और टिकाऊ भविष्य बनने में हमारी मदद करेगा।

जन-धन योजना वित्तीय समावेशन का सबसे बड़ा साधन : सीतारमण

(एजेन्सी)

नई दिल्ली।सीतारमण ने कहा कि हालांकि, इन खातों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि है। मंत्री ने

अपने संबोधन में जलवायु वित्तपोषण और उससे जुड़ी चुनौतियों पर भी विस्तार से बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति में बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) सहित बहुपक्षीय संस्थान कम प्रभावी हो गए हैं। सीतारमण ने वैश्विक आतंकवाद से उत्पन्न चुनौतियों को भी रेखांकित किया और जोर दिया कि निवेशकों तथा व्यवसायों को निवेश संबंधी फैसले करते समय ऐसे कारकों को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कर्ज की स्थिति को लेकर सचेत है और उसने यह सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय प्रबंधन किया है कि आने वाली पीढ़ी पर बोझ न पड़े। कहा था कि जब योजना शुरू की गई थी तो लोगों के एक वर्ग ने "भद्दी" टिप्पणियां की थीं और कहा था कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक दबाव में होंगे क्योंकि ये 'जीरो बैलेंस' खाते हैं। सीतारमण ने कहा कि हालांकि, इन खातों में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि है। मंत्री ने अपने संबोधन में जलवायु वित्तपोषण और उससे जुड़ी चुनौतियों पर भी विस्तार से बात की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि 2014 में शुरू की गई प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) देश में वित्तीय समावेशन लाने का सबसे बड़ा साधन बनकर उभरी है। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2023 के उद्घाटन के बाद मंत्री ने कहा कि 50 से अधिक सरकारी योजनाओं के तहत लाभ (राशि) सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित किए जा रहे हैं और पीएमजेडीवाई ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने

इंडिया में रार, एमपी को लेकर भड़के अखिलेश ने कहा

अगर कांग्रेस का यही व्यवहार रहा तो उन पर कौन करेगा भरोसा

(एजेन्सी)

मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में तनातनी बढ़ गई है। इंडिया गठबंधन में होने के बाद भी दोनों दलों के बीच राज्य में गठबंधन नहीं हो सका है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कांग्रेस पर धोखा देने का आरोप लगा रहे है। अखिलेश ने कहा कि अगर कांग्रेस (मध्य प्रदेश में) सीटें नहीं देना चाहती थी तो उन्हें यह पहले ही कहना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि भारत गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर (संसदीय) चुनाव के लिए है। अगर कांग्रेस का यही व्यवहार रहा तो उन पर भरोसा कौन करेगा? मन में भ्रम लेकर भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे तो सफल नहीं होंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस को जब समर्थन की जरूरत थी उस समय समाजवादी पार्टी ने उसका समर्थन किया। जिस समय कांग्रेस के नेताओं से बात हुई उस समय मैंने कहा था कि जो हमसे सहयोग लेना चाहो ले लो, हम भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि

उस समय रात 1 बजे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के साथ बैठक हुई। बैठक के बाद हमें आश्वासन दिया गया कि विधानसभा चुनाव में हमें लगभग 6 सीटें दी जा सकती हैं लेकिन जब कांग्रेस की सूची आई तो हमारी जीती हुई सीटों पर भी उन्होंने प्रत्याशी घोषित कर दिया। मजबूरी में समाजवादियों को अपने मजबूत क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं की भावनाओं को समझते हुए चुनाव लड़ाना पड़ रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी केवल उन्हीं सीटों पर लड़ेंगे जहां हमारा संगठन है और जहां से हम भाजपा को हराना चाहते हैं। मध्य प्रदेश में देखा जाए तो कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच बातचीत शुरू हुई थी। हालांकि किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले ही यह खत्म हो चुकी है। दोनों राजनीतिक दलों ने अपने–अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। इसके बाद दोनों ओर से शब्द बाण भी एक–दूसरे के खिलाफ चलाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि सपा–कांग्रेस गठबंधन पर ब्रेक लगने से अखिलेश यादव नाराज है। उन्होंने यह तक कह दिया है कि मध्य प्रदेश में अगर यह गठबंधन नहीं हुआ तो भविष्य में प्रदेश स्तर पर गठबंधन नहीं होगा।

एक राष्ट्र, एक चुनाव पर 25 अक्टूबर को होगी दूसरी बैठक, पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता में बनी है कमेटी

(एजेन्सी)

नई दिल्ली। एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर एक समिति का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता रामनाथ कोविंद कर रहे हैं। समिति की पहली आधिकारिक बैठक 23 सितंबर को हुई, जिसके दौरान सदस्यों ने हितधारकों और राजनीतिक दलों से चर्चा करने और सुझाव प्राप्त करने का निर्णय लिया। पहली बैठक राष्ट्रीय राजधानी के जोधपुर हॉस्टल में हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, समिति के सदस्य और पूर्व राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद और अन्य लोग शामिल हुए। सरकार ने कोविंद, आजाद और शाह के अलावा कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे और पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी को सदस्य पैनल के आठ लोगों में नामित किया था। हालाँकि, चौधरी ने समिति का हिस्सा बनने के

निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। गजट अधिसूचना के अनुसार, समिति न केवल लोकसभा और विधानसभा चुनाव, बल्कि नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव भी एक साथ कराने की व्यवहार्यता पर गौर करेगी। यदि त्रिशंकु सदन, अविश्वास प्रस्ताव, दलबदल या ऐसी कोई अन्य घटना होती है तो समिति एक साथ चुनाव से जुड़े संभावित समाधानों का विश्लेषण और सिफारिश करेगी। अपनी पहली बैठक में समीति मुद्दे पर सुझाव देने के लिए राजनीतिक दलों और विधि आयोग को आमंत्रित करने का निर्णय लिया था। बयान में कहा गया है कि समिति ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों, राज्यों में सत्तारूढ़ दलों, संसद में अपना प्रतिनिधित्व रखने वाले दलों, अन्य मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दलों को "देश में एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर सुझाव/राय देने के लिए"आमंत्रित करने का निर्णय लिया है। विधि मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा कि इसके अलावा, समिति एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर अपने सुझाव और राय के लिए विधि आयोग को भी आमंत्रित करेगी। सरकार की अधिसूचना में कहा गया है कि समिति तुरंत ही कामकाज शुरू कर देगी और यथाशीघ्र सिफारिश करेगी, लेकिन रिपोर्ट सौंपे जाने की समय सीमा तय नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी "एक राष्ट्र, एक चुनाव" की वकालत करते रहे हैं।

सरकार,भाजपा के प्रचार में सेना का इस्तेमाल गलत : कर्नल चौधरी

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता कर्नल (अवकाश प्राप्त) रोहित चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपनी उपलब्धियों के प्रचार के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाने में सेना के जवानों का इस्तेमाल कर रही है जो अनुचित और पूरी तरह से गलत है। कर्नल चौधरी ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सेना का काम देश की सेवा करना है और किसी भी सरकार को अपनी उपलब्धियों के प्रचार के लिए उसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। सेना का काम सरकार और भाजपा का प्रचार करना नहीं है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने अपनी राजनीति चमकाने के लिए सेना के हाथ सरकारी योजनाओं के पोस्टर थमा दिए हैं। डिपार्टमेंट ऑफ

डिफेंस ने एक सर्कुलर जारी किया है जिसके तहत देश में मोदी सरकार की योजनाओं से जुड़े 822 सेल्फी पॉइंट्स बनेंगे। इन्हें बनाने के लिए देश की सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं। यह पूरी तरह से गलत और सत्ता का दुरुपयोग है। कांग्रेस नेता ने कहा, ष्क्या हमारे देश के सैनिक अब भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रचार करेंगे। क्या हमने फौज का स्तर इतना गिरा दिया है। हमारे जो सैनिक बेहद मुश्किल हालातों में देश की सीमा पर खड़े होते हैं, वो अब मोदी सरकार की योजनाओं का प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा ष्आर्मी, एयरफोर्स और नेवी ने अपनी वेबसाइट पर इस आर्डर को नहीं दिखाया है। इसका मतलब वे इसे गैर–कानूनी मान रहे। जो व्यक्ति आर्मी एक्ट, नेवी एक्ट, एयर फोर्स एक्ट के अंदर आते हैं, उनके लिए किसी भी तरह की राजनीतिक पार्टी के लिए प्रचार करना वर्जित है। मोदी सरकार हमारे सैनिकों का अपमान कर रही है। सेना और सैनिक, दोनों ही देश की धरोहर हैं। यह किसी राजनीतिक पार्टी की निजी संपत्ति नहीं हैं।

आप सांसद संजय सिंह की याचिका खारिज

दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संजय सिंह की रिमांड और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। एक अपील के जरिए प्रवर्तन निदेशालय ने याचिका का विरोध किया था। सिंह को ईडी ने 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। 2021–22 के लिए रद्द की गई दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देते हुए पिछले हफ्ते उच्च न्यायालय का रुख किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी का मनी लॉन्ड्रिंग मामला सीबीआई की एफआईआर से उपजा है और यह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021–22 को संशोधित करते समय किया गया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने आज शाम सिंह की याचिका खारिज कर दी। कहा गया कि ईडी एक प्रमुख जांच एजेंसी है और इसमें राजनीतिक उद्देश्यों को शामिल करने से देश की छवि पर असर पड़ सकता है। अदालत ने आगे कहा कि इस स्तर पर रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि दिनेश अरोड़ा (एक सरकारी गवाह जिसके बयानों ने सिंह की गिरफ्तारी में योगदान दिया) ने दबाव में या कानून का उल्लंघन करते हुए अपने बयान दिए थे। इसमें कहा गया है कि संजय सिंह के वकील की यह दलील कि आप नेता के खिलाफ सबूत लगाए गए थे, वर्तमान स्तर पर विचार नहीं किया जा सकता है। उच्च न्यायालय के समक्ष मामला ईडी द्वारा उनके आवास पर तलाशी के बाद 4 अक्टूबर को सिंह की गिरफ्तारी से संबंधित है।

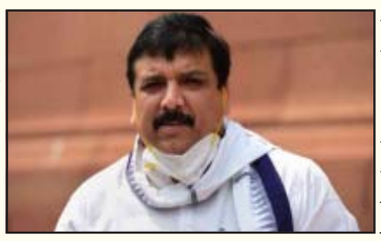

वर्ष का अंतिम चंद्रग्रहण 28 अक्टूबर को

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली। वर्ष 2023 का अंतिम चंद्रग्रहण 28–29 अक्टूबर की रात को शरद पूर्णिमा को लगेगा और यह भारत में आंशिक रूप से दिखाई देगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि 28 अक्टूबर की आधी रात को चंद्रमा उपछाया में प्रवेश करेगा और ग्रहण की अवधि 29 अक्टूबर के शुरुआती घंटे होगी। ग्रहण मध्यरात्रि के आसपास भारत के सभी भागों में दिखाई देगा। इसके साथ चंद्रग्रहण पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, यूरोप, अफ्रीका, पूर्वी दक्षिण अमेरिका, उत्तर–पूर्वी अमेरिका, अटलांटिक महासागर, हिंद महासागर तथा दक्षिण प्रशांत महासागर के क्षेत्रों से दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि भारत में दिखाई देने वाला अगला चंद्र ग्रहण सात सितंबर 2025 को होगा और यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। भारत में दिखाई देने वाला आखिरी चंद्रग्रहण आठ नवंबर, 2022 को था और यह पूर्ण ग्रहण था। चंद्रग्रहण 28 अक्टूबर देर रात एक बजकर पांच मिनट से लेकर दो बजकर 24 मिनट तक यानि यह एक घंटा 19 मिनट का रहेगा। अट्ठाइस अक्टूबर को शाम में चार बजकर पांच मिनट पर चंद्रोदय हो जाएगा।

पारस्परिक राजनयिक समता की मांग विएना संधि में मेजबान देश का अधिकार : भारत

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली। भारत ने कनाडा के साथ राजनयिकों की संख्या को लेकर समानता की मांग को कनाडा सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन बताए जाने का खंडन किया है और इसे विएना संधि के तहत मेजबान देश का अधिकार बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने शुक्रवार को यहां एक बयान में कहा ," हमने भारत में कनाडाई राजनयिक उपस्थिति के संबंध में 19 अक्टूबर को कनाडा सरकार का बयान देखा है। हमारे द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति, भारत में कनाडाई राजनयिकों की बहुत अधिक संख्या और हमारे आंतरिक मामलों में उनका निरंतर हस्तक्षेप, नयी दिल्ली और ओटावा में दोनों देशों के राजनयिकों की उपस्थिति में समानता की मांग का आधार बना। इसके कार्यान्वयन के विवरण और तौर–तरीकों को लेकर हम पिछले महीने से कनाडाई पक्ष के साथ काम

कर रहे हैं।" प्रवक्ता ने कहा," इस समता को लागू करने में हमारे कार्य पूरी तरह से राजनयिक संबंधों पर वियना संधि के अनुच्छेद 11.1 के अनुरूप हैं जिसमें कहा गया है।– षमिशन के आकार के बारे में विशिष्ट समझौते के अभाव में, मेजबान देश को आवश्यकता हो सकती है कि मिशन का आकार उस सीमा के भीतर रखा जाए जिसे वह मेजबान देश की परिस्थितियों और स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तथा विशेष मिशन की जरूरतों के लिए उचित और सामान्य मानता है।

सम्पादकीय

राहत का मौसम

ऐसे वक्त में जब पांच राज्यों में चुनाव सिर पर हैं और आम चुनाव भी दूर नहीं हैं, सरकारें और राजनीतिक दल लक्षित समूहों को लाभ पहुंचाने का श्रेय ले रहे हैं। विपक्षी नेता भी सब्जबाग दिखाने और असंभव को संभव बनाने के वादे कर रहे हैं तो केंद्र सरकार के हाथ में ऐसा बहुत कुछ है, जो बड़े जनसमूहों को फायदा पहुंचाता दिखा सके। प्रधानमंत्री की अध यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विपणन वर्ष 2024–25 में छह रबी फसलों के लिये एमएसपी वृद्धि का फैसला लिया है। राजनीतिक व धार्मिक त्योहारों की बयार में केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि गेहूं समेत छह रबी की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी में दो से लेकर छह प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। कहा जा रहा है कि केंद्र में राजग सरकार बनने के बाद एमएसपी में यह सबसे बड़ी वृद्धि है। सबसे ज्यादा वृद्धि मसूर की दाल की एमएसपी में 425 रुपये की गई है। निश्चित रूप से इसके मूल में सोच यही है कि किसान ज्यादा लाभ के लिये दलहन उत्पादन में वृद्धि करें और आम लोग आसानी से दाल–रोटी का जुगाड़ कर सकें। वहीं गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 150 रुपये की वृद्धि की गई है। ऐसे में इस एमएसपी वृद्धि का जहां तार्किक व वाजिब कारण है, वहीं पांच राज्यों के चुनावों के मद्देनजर किसानों को लुभाने के उपक्रम के तौर पर भी इस कदम को देखा जा रहा है। दूसरी ओर सरकार का कहना है कि इस कदम से फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा। यह भी कि कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की सिफारिश पर मसूर की दाल के समर्थन मूल्य में सबसे ज्यादा वृद्धि की गई है। इसके बाद राई व सरसों के लिये दो सौ रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। साथ ही जौ व चने की एमएसपी में भी वृद्धि हुई है। सरकार की दलील है कि एमएसपी को फसल की लागत की राष्ट्रीय औसत से कम से कम डेढ़ गुना स्तर पर निर्धारित करने का प्रयास हुआ है। वहीं राजनीतिक व धार्मिक त्योहारों के माहौल में केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों की झोली भरने की भी कोशिश की है। जहां सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में चार फीसदी की वृद्धि की है। जाहिरा तौर पर देश के करीब 48 लाख सेवारत केंद्रीय कर्मचारियों तथा 68 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिये महंगाई की चुभन अब कुछ कम होगी। साथ ही रेलवे के गैर–राजपत्रित कर्मचारियों को 78 दिन के वेतन के बराबर बोनस देने की घोषणा की है। निस्संदेह बोनस की घोषणा से रेलवे के करीब 11 लाख गैर–राजपत्रित कर्मचारियों को दिवाली से पहले ही लक्ष्मी कृपा का सुखद अहसास होगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार ने उत्पादकता आधारित बोनस लाभ से वंचित केंद्र सरकार के ग्रुप सी व गैर–राजपत्रित वर्ग में आने वाले ग्रुप बी के कर्मचारियों के लिये भी सात हजार रुपये तक के बोनस की घोषणा की है। यह यक्ष प्रश्न है कि सरकारी खजाने पर पड़ने वाले हजारों करोड़ रुपये के बोझ को अंतिम रूप से कौन वहन करेगा। देखना होगा कि केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी में वृद्धि की इस पहल से किसानों की आय दुगनी करने के वादे की किस हद तक पूर्ति होती है। वहीं सवाल यह भी कि एमएसपी का लाभ कितने फीसदी किसानों को वास्तव में मिल रहा है। वह आदर्श स्थिति होगी जब किसान की सभी फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में आएं। जिससे फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और बड़ा किसान वर्ग इसके लाभ के दायरे में आएगा। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के संकट की वजह से परंपरागत फसलों की उत्पादकता में कमी आने के चलते उन फसलों को बढ़ावा देने की जरूरत है जो कम बारिश व अधिक तापमान में ज्यादा उत्पादन करने में सहायक हों।

इस दिशा में कृषि अनुसंधान संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों को शोध ा व अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा। ताकि ग्लोबल वार्मिंग प्रभाव से मुक्त रहने वाली नई फसलों के बीज तैयार करके किसान के नुकसान को कम किया जा सके।

नई संसद से आईआईटी तक में फ़ैल रहा वास्तुशास्त्र

आर.के. सिन्हा

देश को मिली नई संसद भवन की इमारत का निर्माण वास्तु शास्त्र के अनुसार होने से यह स्पष्ट है कि अब भारत में वास्तुशास्त्र के नियमों और निर्देशों के अनुसार ही बड़े भवनों से लेकर पार्कों तक का निर्माण होगा। वास्तुशास्त्र को आईआईटी जैसे अति महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों में भी स्वीकार्यता मिल रही है। आईआईटी, खड़कपुर में वास्तु शास्त्र को पढ़ाने का फैसला लिया गया है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि वास्तुशास्त्र के अनुसार बनने वाली इमारतें किसी अप्रिय प्राकृतिक घटना से बचाती हैं। नई संसद या नई दिल्ली के सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में नए सिरे से बनने वाली तमाम इमारतों में वास्तु शास्त्र के मूल बिन्दुओं का पालन करते हुए निर्माण कार्यों का होना सुखद है। यह सर्वविदित है कि वास्तु शास्त्र एक अति प्राचीन भारतीय विज्ञान है। वास्तुशास्त्र के अंर्तगत चार मूल दिशाओं और दस कोणों का ध्यान किया जाता है। वास्तु शास्त्र हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। राजधानी के तुगलक क्रिसेंट रोड में विकसित भारत–आशियान मैत्री पार्क को भी वास्तुशास्त्रों के नियमों के अनुसार नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने तैयार किया था। एनडीएमसी ने भारत में आयोजित आसियन शिखर सम्मेलन से पहले इस उद्यान को आसियान देशों के प्रति भारत के प्रति निष्ठा को व्यक्त करने के लिए बनाया था। अगर आप कभी भारत–आसियान मैत्री पार्क में घूमने के लिए जाएँ तो वहां पर आपको अलग तरह का अहसास होगा। जब राजधानी में सूरज देवता आग उगलते हैं, तब भी वहां मीठी बयार बहने लगती हैं। इसका उदघाटन तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने सन 2018 में किया था। तब राजधानी में आसियान–भारत शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। जब भारत–आसियान मैत्री पार्क का श्रीगणेश हुआ था तब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट में लिखा था, 'फलती फूलती दोस्ती। इस पार्क के उद्घाटन के अवसर पर आसियान के महासचिव ली लुंग मिन्ह भी मौजूद थे।' आसियान को दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन भी कहा जाता है। इसका मुख्यालय इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में है। आसियान की स्थापना 1967 में हुई थी। इसके सदस्य थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, सिंगापुर, ब्रूनेई, वियतनाम, लाओस, कंबोडिया और म्यांमार। एनडीएमसी राजधानी के अपने क्षेत्र में आने वाले उद्यानों को वास्तुशास्त्र के अनुसार ही पुर्नविकसित कर रही है। प्रख्यात वास्तु विशेषज्ञ डॉ. जे. पी. शर्मा लंबे समय से सरकारी और गैर–सरकारी भवनों का निर्माण वास्तु शास्त्र के अनुसार करने की सलाह देते रहे हैं। डॉ. शर्मा मानते हैं कि " देश की नई संसद का निर्माण वास्तु शास्त्र के अनुसार किया गया है। ये देश की उन्नति के लिए मील का पत्थर साबित होगा। देश में चौतरफा विकास होगा, संसद के अंदर सार्थक बहसें और लोक कल्याणकारी कानून बनेंगे। वास्तु शास्त्र पर दर्जनों किताबों के लेखक डॉ. शर्मा लगातार सरकार से मांग करते रहे हैं कि वास्तुशास्त्र को शिक्षण संस्थानों में एक मुख्य विषय के रूप में पढ़ाया जाए। यह समझना होगा भारत में प्राचीन काल में वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार ही भवन निर्माण हुआ करता था। वास्तु शास्त्र भवन निर्माण कला की एक भारतीय विधा है। वास्तुशास्त्रियों का दावा है कि वास्तु के अनुसार बनने वाली इमारतों का उपयोग करने वालों के जीवन में सुख– शांति रहती है। डॉ. जेपी शर्मा ने बताया कि वास्तुशास्त्र के कुछ नियम बिल्कुल साफ हैं। उदाहरण के रूप में किसी भवन का मुख यदि पूरब की दिशा में है तो इससे वहां रहने या काम करने वालों के ज्ञान में वृद्धि होगी। उन पर मां सरस्वती की कृपा रहेगी। जाहिर है, जिस इंसान पर मां सरस्वती की कृपा रहेगी उसका कल्याणा होना तय है।

जो लोग वास्तु शास्त्र के अनुसार निर्माण की गई इमारतों में रहते या काम करते हैं उन्हें स्वस्थ जीवन मिलता है। देखिए हम अपने यहां ज्ञान के प्राचीन स्रोतों को लेकर बेहद लापरवाही वाला रवैया अपनाते रहे हैं। कई बार हमें खुद ही नहीं पता होता कि उनमें कितना खजाना समाया हुआ है। उस सोच में बदलाव नजर आने लगा है। कुछ समय पहले एक खबर छपी थी कि भारत की पहली आईआईटी, खड़गपुर में आर्किटेक्चर के अंडर ग्रैजुएट स्टूडेंट्स को पहले और दूसरे साल में वास्तु शास्त्र के बुनियादी नियम पढ़ाए जाएंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर में पोस्ट ग्रैजुएशन करने वाले या शोधार्थियों को इस विषय को विस्तार से पढ़ाया जाएगा। यहां पहले आर्किटेक्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर के पाठ्यक्रम में वास्तु शास्त्र को शामिल नहीं किया जाता था। लेकिन यहां की फैकल्टी ने पढ़ने और पढ़ाने की प्रणाली में कुछ नया करने का जब सोचा तो उनको महसूस हुआ कि छात्रों को वास्तु शास्त्र भी पढ़ाया जाए, जो पारंपरिक भारतीय वास्तुकला के अध्ययन के लिए बहुत अहम साबित हो सकता है। उनकी राय थी कि जब छात्रों को पश्चिमी जगत में प्रचलित वास्तुकला से संबंधित सिद्धांतों को पढ़ाया जा सकता है तो प्राचीन भारतीय वास्तुकला के सिद्धांत क्यों नहीं बताए जाएं। अब देश के तमाम आर्किटेक्चर कॉलेजों में भी वास्तु शास्त्र को विषय के रूप में पढ़ाए जाने का सिलसिला शुरू होना चाहिए ताकि इस विषय से भारत और सारा संसार लाभ ले सके। बेशक,वास्तु शास्त्र अध्ययन का धर्म से कोई लेना–देना नहीं है बल्कि यह शुद्ध रूप से विज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित है। इसलिए इसे पढ़ा और पढ़ाया जाना चाहिए। कुछ मंद बुद्धि मानसिकता से ग्रसित लोग वास्तुशास्त्र और योग को हिंदू धर्म से जोड़ते हैं। हां, ये दोनों विद्याएं भारत की धरती से उपजी हैं। पर इनसे किसी धर्म को जोड़कर देखना सही नहीं है। आप इस तरह की छोटी सोच के लोगों का कुछ नहीं कर सकते हैं। ये अंधकार युग में रहने को अभिशप्त हैं। खैर, यह तो मानना होगा कि दुनिया भर में रुझान बदल रहा है और प्राचीन भारतीय विद्या वास्तु शास्त्र के प्रति लोगों में दिलचस्पी पैदा हो रही है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि हमें अपने आर्किटेक्चर कॉलेजों में वास्तु शास्त्र को विषय के रूप में पढ़ाया जाए। पिछले कुछ वर्षों में हुई प्राकृतिक आपदाओं ने यह सिद्ध किया है कि जहाँ प्राकृतिक आपदाओं ने सबकुछ तहस–नहस और पूरी तरह से बर्बाद कर दिया, भारतीय वास्तु–शास्त्र के सिद्धांतों पर तैयार प्राचीन मंदिरों को कोई क्षति नहीं पहुंची ५ कुछ वर्ष पहले की केदारनाथ धाम की घटना को याद करें ५ विभीषिका केदारनाथ के ठीक पीछे से शुरू हुई थी जिसका प्रभाव 300 किलोमीटर दूर ऋषिकेश और हरिद्वार में देखा गया, पर केदारनाथ मंदिर जस का तस खड़ा रहा ।

कुछ साल पहले फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने अपना मुंबई का आवास वास्तुशास्त्र के अनुसार बनवाया था। अब देश के कई बड़े बिल्डर भी अपने प्रोजेक्ट वास्तुशास्त्र के अनुसार ख़ड़े करने लगे हैं। वक्त की मांग है कि वास्तुशास्त्र का प्रयोग भवन निर्माण और दूसरे निर्माण कार्यों में अधिक से अधिक किया जाए।

किसान की जीवन निर्वाह आय यकीनी बनाएं

देविंदर शर्मा

किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय की विभिन्न परिभाषाएं दी जाती रही हैं। इसको लेकर एक परिभाषा 1.8 मिलियन से अधिक किसानों के सहकार वाले वैश्विक आंदोलन फेयरट्रेड इंटरनेशनल ने भी दी है जिसके मुताबिक, घर के सभी सदस्यों के लिए एक सभ्य जीवन स्तर वहन करने के लिए पर्याप्त आय– जिसमें पौष्टिक आहार, स्वच्छ पानी, ठीक–ठाक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य मूलभूत ज़रूरतों के साथ ही आपातकालीन स्थिति और बचत के लिए थोड़ा अतिरिक्तद्द उसके बाद जब एक बार कृषि लागत कवर हो जाये।' अपने विनम्र ढंग से मैं लगातार उस आर्थिक नुकसान की ओर ध्यान दिलाता रहा हूं जिसे भारतीय किसान झेल रहे हैं। किसानों को जीवन निर्वाह योग्य आमदन देने में आनाकानी ने कृषि संकट को बढ़ावा दिया है। दशकों से, हालांकि कृषि पैदावार में आशातीत वृद्धि हुई है लेकिन किसान की आय में सतत गिरावट जारी रही है। कई तरह से, यह कहना गलत नहीं होगा कि पैदावार में वृद्धि कृषक परिवारों की असल आमदन में औसत गिरावट की विपरीत समानुपातिक रही है। साल 2016 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 17 राज्यों में, यानी तकरीबन आधे देश में किसानों की औसत आमदन मात्र 20,000 रुपये यानी 241 डॉलर प्रति वर्ष थी। इसका अर्थ है कि एक औसत किसान परिवार 1,700 रुपये यानी 21 डॉलर प्रति माह से कम में गुजर–बसर कर रहा था। यदि आप गांव में रहते हैं तो यह आय एक गाय पालने के लिए भी काफी नहीं है। ऐसी हास्यास्पद आय के साथ, किसान जिस दुख और अभाव की स्थिति में रहते हैं उसकी यकीनी तौर पर कल्पना की जा सकती है। यह दयनीय आय स्तर आधे देश में रह रहे किसानों के लिए है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर भी तसवीर इतनी ही अपमानजनक है। कृषक परिवारों के लिए सिचुएशनल एसेसमेंट सर्वे 2019 के मुताबिक, किसान परिवार की सभी स्रोतों से औसत मासिक आय मात्र 10218 रुपये यानी 123 डॉलर बनती है। यह मानते हुए कि देश की कुल जनसंख्या का लगभग 50 फीसदी हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर खेती में कार्यरत है, किसानों की दुर्दशा के पीछे मौजूद प्राथमिक वजह साफ तौर पर समझे जाने योग्य है। वैश्विक स्तर पर भी, खेती का परिदृश्य इतना ही निराशाजनक है। यदि कृषि में बड़े पैमाने पर घरेलू समर्थन जो 2019–21 में सार्वजनिक बजट से भुगतान किया गया 500 बिलियन डॉलर दृ वापस ले लिया गया, तो विकसित देशों में खेती में जो कुछ भी बाकी है, उसका पतन निश्चित है। सरल शब्दों में कहें तो खेती करने वाली आबादी को लगातार वेंटिलेटर पर रखने का निरंतर प्रयास ही किसानों को जीवित रखता है, और किसी तरह से सभी रुकावटों के खिलाफ संघर्ष करने का बंदोबस्त करता है। दुनिया के सामने आ रहा खेती से यह पलायन एक आर्थिक षड्यंत्र का परिणाम है जिसने जानबूझकर खेती को गरीब बनाए रखा है। अन्य शब्दों में, विश्व स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर भी, यह आर्थिक डिजाइन है जिसने कृषक परिवारों को जीवन निर्वाह योग्य आय से महरूम कर दिया है, जिससे कृषि के पराभव को और बदतर कर दिया है। इस अहम मोड़ पर, फेयर ट्रेड, सॉलिडेरिडाड, रेनफॉरेस्ट एलायंस, ऑक्सफैम और माइटी अर्थ सहित 70 अंतर्राष्ट्रीय सिविल सोसायटी संगठनों (सीएसओ) के एक ग्रुप को यूरोपीय संघ के कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी ड्यू डिलिजेंस निर्देश (सीएसडीडीडी) में संशोधन की मांग करते हुए देखना बहुत खुशी की बात है जो प्रस्ताव में जीवन निर्वाह आमदन और खरी खरीद प्रथाओं को शामिल करने के लिए है। 'हम

सीएसडीडीडी और कंपनियों की वैश्विक मूल्य शृंखलाओं के मानव अधिकारों और पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करने के इसके लक्ष्य का स्वागत करते हैं। हालांकि, सकारात्मक बदलावों को लाने के लिए, इसे अधिकार धारकों के हितों और जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए, खास तौर पर उनके जो वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में सबसे कमजोर हैं।' हालांकि यूरोपियन संसद ने पहले ही जीवन निर्वाह आय का संदर्भ (अनुलग्नक का भाग 1, उपशीर्षक 1, बिंदु 7) शामिल कर लिया है जिसमें कहा गया है कि काम की न्यायसंगत और अनुकूल परिस्थितियों का आनंद लेने का अधिकार, जिसमें सभ्य जिंदगी जीने के योग्य पारिश्रमिक भी शामिल है। सीएसओ की संयुक्त याचिका में 'स्वरोजगार वाले श्रमिकों के लिए जीवन निर्वाह योग्य मजदूरी और छोटे किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय का अधिकार दोनों शामिल हैं' जिसमें गुजारे योग्य आय का स्पष्ट संदर्भ मांगा गया है ताकि छोटे भूमालिक और अन्य कमजोर वर्ग वास्तव में लाभ उठा सकें। यह जानते हुए कि छोटे भूमालिक दुनिया की कुल खाद्य आपूर्ति का एक तिहाई हिस्सा पैदा करते हैं, और मूल निवासी एवं स्थानीय समुदाय वनों के करीब 1 बिलियन हेक्टेयर का प्रबंधन करते हैं, उनकी गुजारे लायक आजीविका सुरक्षा यकीनी बनाना महत्वपूर्ण है। ये समुदाय समाज के शंकु के निचले पायदान रहते हैं। गरीबी से पार पाने को इन संवेदनशील समुदायों के लिए निर्वाह योग्य आय के साथ गुजारे योग्य पारिश्रमिक सुनिश्चित बनाना जरूरी है। जबकि जी–20 का प्रयास ग्लोबल वेल्यू शृंखलाओं को मजबूती प्रदान करना है लेकिन इन कंपनियों को आधारभूत कच्चे माल के उत्पादकों के लिए आय सुरक्षा प्रदान करने का स्पष्ट निर्देश शामिल करना कभी किसी नीति निर्देशक का हिस्सा नहीं रहा है। एक लेख 'नो सस्टेनेबल वर्ल्ड विदाउट ए लिविंग इनकम फॉर फार्मर्स' (फेयर फूड, 22 सितंबर 2021) में मैंने बात की थी कि कैसे कुछेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथ में शक्ति केंद्रीकृत होने का परिणाम अनुचित व्यापार व्यवहार के रूप में सामने है जिसने एशिया अफ्रीका और लेटिन अमेरिका में लाखों छोटे किसानों और भूमिहीन श्रमिकों की आजीविका को प्रभावित किया। कॉफी का मामला ही लें, जो 200 बिलियन डॉलर की इंडस्ट्री है, प्रतिदिन 3 अरब कप गटके जाते हैं, इसके बावजूद अधिकतर कॉफी बीन उत्पादक रोजाना 2.15 डॉलर में घोर अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के नीचे जीवन जीते हैं। केवल कॉफी के लिए ही नहीं, बल्कि यह बात उन सभी कृषि पदार्थों के लिए है जिनका वैश्विक स्तर पर व्यापार होता है। जबकि मूल्य शृंखलाओं का ऊपरी वर्ग जमकर लाभ कमाता है वहीं शृंखला के निम्नतम तल पर मौजूद गरीब उत्पादकों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। ज्यादातर मामलों में वेल्यू चेन का जो हिस्सा कच्चे माल उत्पादकों के पास जाता है वह उत्पादन लागत को भी पूरी नहीं करता है। भारत में डेयरी को–आपरेटिव्स के अनुभव से सीखा जा सकता है, जिसमें डेयरी किसान को अंतिम उपभोक्ता कीमत का 80 फीसदी प्राप्त होता है। अब यह आकलन करने का समय आ गया है कि ग्लोबल वेल्यू चेन के कारोबार के कितने फीसदी को जीवन निर्वाह आय के रूप में वर्गीकृत किया जाये। यह तथ्य कि उपभोक्ता कीमत का डेयरी किसान को मिलने वाला हिस्सा इतना ज्यादा है फिर भी निजी क्षेत्र समेत भारत में मिल्क प्लांट घाटे में नहीं हैं, स्पष्टतया दर्शाता है कि शेयर को स्पष्ट तौर पर बताना होगा। मेरा सुझाव है कि अंतिम उपभोक्ता कीमत में किसान का हिस्सा 50 फीसदी से कम नहीं होना चाहिये। ऐतिहासिक रूप से लालची वैश्विक मूल्य शृंखला द्वारा छोटे भू–मालिकों, किसानों और पशु पालकों को अधिकारपूर्ण देय से वंचित रखा गया। केवल ईयू में ही नहीं बल्कि इस तरह के निर्देश का भारत जैसे देशों और बाकी विकासशील विश्व में भी अनुकरण किया जाना चाहिये। यह उस आय असमानता की खाई को पाटने में मददगार होगा जिससे दुनिया जूझ रही है और नहीं जानती कि इससे बाहर आने की राह क्या है।

रोजगार बढ़ा लेकिन आईटी क्षेत्र दबाव में

किसी भी देश में युवाओं के लिए रोजगार एक आधारभूत जरूरत होती है और इसी आधार पर देश की समृद्धि का मूल्यांकन भी होता है। पिछले दिनों जारी सालाना सावधिक श्रम शक्ति सर्वे (पीएलएफएस) के जुलाई–जून 2022–23 के आंकड़े दिखाते हैं कि समग्र बेरोजगारी की दर 3.2 फीसदी के साथ छह वर्षों के निचले स्तर पर पहुंच गई है। अन्य चीजों के समान रहते बेरोजगारी दर में गिरावट और श्रम शक्ति भागीदारी दर में इजाफा यह बताता है कि अर्थव्यवस्था में रोजगार तैयार हो रहे हैं। यह एक आशावादी तस्वीर है। भारत की बड़ी आबादी को रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना होगा। भारत की आर्थिक तरक्की का आधार आईटी सैक्टर भी है। आईटी सैक्टर की आधारभूत समस्याओं को दूर करके इसके दम पर भारत दुनिया में अपनी स्थिति को मजबूत कर सकता। आईटी के दम पर भारतीय मेधा का लोहा दुनिया ने माना है और भारत को इसको मजबूत करने पर ध्यान देना होगा। भारतीय संस्थानों में योग्य अध यापकों और फैकल्टी का प्रावधान करके योग्य आईटी पेशेवरों को दुनिया के सामने पेशद्य करना होगा ताकि आईटी क्षेत्र में हमारी धमक बनी रहे। महामारी कोरोना के बाद सबसे बड़ी चुनौती यही थी ध्कि देश में रोजगार के अवसर कैसे पैदा हों। महामारी के बाद अर्थव्यवस्था के सभी सैक्टर धीरे–धीरे पटरी पर लौट आए और वातावरण फिर से सुखद हो गया। 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए श्रम शक्ति भागीदारी की दर 2017–18 के 49.8 फीसदी से बढ़कर ताजा सर्वेक्षण में 57.9 फीसदी हो गई है। वर्तमान साप्ताहिक स्तर पर भी आंकड़ों में सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए गैर कृषि क्षेत्रों की बात करें तो असंगठित माने जाने वाले प्रोपराइटरी और साझेदारी सेटअप में रोजगारशुदा लोगों का प्रतिशत 2020–21 के 71.4 फीसदी से बढ़कर ताजा सर्वेक्षण में 74.3 फीसदी हो गया है। हालांकि हालात में कुछ सुधार हुआ है लेकिन करीब 60 फीसदी कर्मचारियों के पास अपने काम का कोई लिखित अनुबंध नहीं है। असंगठित क्षेत्र के रोजगार आमतौर पर छोटे उपक्रमों में हैं जहां बड़े पैमाने पर काम नहीं होता है। नतीजतन वेतन भी काफी कम होता है। भारत में रोजगार निर्माण की बात करें तो कई दीर्घकालिक मसले हैं और ये गुणवत्ता और मात्रा दोनों क्षेत्रों में हैं। रोजगार की गुलाबी तस्वीर के बीच आईटी सैक्टर दबाव में नजर आता है। इसे बाजार की घटनाओं, दूसरी तिमाही के नतीजों और आय अनुमान में कटौती के साथ–साथ नौकरियां देने के रुझानों में भी महसूस किया जा सकता है। कंपनियों के प्रबंध ान सतर्क हैं और वित्त वर्ष 2024–25 में मांग में सुधार की उम्मीद है। कर्मचारियों के रोजगार की बात करें तो देश की तीन बड़ी आईटी कम्पनियों ने बीते छह महीनों में कुल मिलाकर 25,000 कर्मचारियों की कमी की गई। इन कम्पनियों ने अपने राजस्व अनुमान में भी कटौत की है। इन्फोसिस और एचसीएल टेक ने वित्त वर्ष 24 के लिए राजस्व वृद्धि के अनुमान में कटौती की है। बाजार कदमों की बात करें तो निफ्टी आईटी सूचकांक पिछले महीने के दौरान 4.6 फीसदी कम हुआ। वैश्विक एक्सचेंजों पर शीर्ष 25 वैश्विक टेक कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में जुलाई–सितंबर में 600 अरब डॉलर की कमी आई। कमजोर आर्थिक गतिविधियों और उच्च ब्याज दरों के बावजूद तकनीकी कंपनियों के शेयर आर्टिफिशिनल इंटेजिलेंस के क्षेत्र में हुए धविकास के कारण तेज हुए। वृद्धि की बात करें तो उसमें विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा क्षेत्र महत्त्वपूर्ण हैं जबकि बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा आदि क्षेत्रों के साथ उच्च प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र में कारोबार स्थिर है। मंदी चक्रीय कारणों से है लेकिन इसका कुछ हिस्सा ढांचागत भी हो सकता है। कई कंपनियों ने डिजिटलीकरण पूरा कर लिया है या वे उसके करीब हैं। आईटी सेवा उद्योग को शायद राजस्व के नए स्रोत तलाश करने होंगे। वृहद आर्थिक नतीजों की बात करें तो आईटी क्षेत्र में कमजोर गतिविधियां ऐसे समय में सेवा निर्यात आय को प्रभावित कर सकती हैं जब कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहने की आशंका है जिससे आयात बिल पर बोझ बढ़ेगा।

टेक्नॉलोजी ने आसान किये जमीन के काम

वीएस कुंडु

प्रदेश में राजस्व सुधार से हरियाणा में लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अपनी प्रगतिशील सोच और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से वर्तमान नेतृत्व ने राज्य में भूमि बंदोबस्त को नई ऊंचाइयां दी हैं। इससे विवादों में जहां कमी आई है वहीं नागरिकों की मुश्किलें आसान हुई हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने जमीनी स्तर के लंबे अनुभवों के आधार पर राजस्व से जुड़ी सभी कठिनाइयों का समाधान का प्रयास है, जिससे लोग सबसे ज्यादा परेशान थे। उसमें राजस्व सुधार प्रमुख है। हरियाणा में भूमि दस्तावेज प्रबंधन में डिजिटल प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया गया है। भूमि संबंधी सारे दस्तावेजों का कंप्यूटरीकरण करने के मामले में हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां के जिलों और तहसीलों के राजस्व संबंधी लगभग सभी रिकॉर्ड ऑन लाइन कर दिए गए हैं। दस्तावेजों का डिजिटलीकरण कर दिया गया है। इसके अगले चरण में जमीन की फर्द को भी ऑनलाइन कर दिया गया है। फर्द लेने के लिए अब किसी नागरिक को तहसील अथवा जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं। भू–राजस्व से जुड़े मसले बेहद संवेदनशील होने की वजह से यह बड़ी समस्या भी थी, जिसमें अपनी ही जमीन से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करना कड़ी चुनौती होती थी। राजस्व सुधार के तहत इसे आधुनिक टेक्नोलॉजी से जोड़ दिया गया है। अब घर बैठे कोई भी व्यक्ति अपनी जमीन संबंधी सारे दस्तावेज डाउनलोड कर सकता है। ये बदलाव होने से पूर्व जमीनों का बैनामा (रजिस्ट्री) कराना किसी युद्ध से कम नहीं होता था, लेकिन राज्य के मौजूदा नेतृत्व की पहल ने इसे आसान बना दिया है। इसी तरह रजिस्ट्री कार्यालयों का पूरी तरह कंप्यूटरीकरण हो जाने से सारी प्रणाली ऑनलाइन हो चुकी है। सरकार के इस कदम से सुशासन को बल मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी हरियाणा में राजस्व सुधार को लेकर मुख्यमंत्री की प्रशंसा की है। दरअसल, राजस्व सुधार में दूसरा बड़ा कदम भूमि संबंधी बैनामा

(रजिस्ट्री) प्रणाली में उठाया गया है। रजिस्ट्री से संबंधित विवादों की संख्या में लगातार भारी बढ़ोतरी सरकार के लिए समस्या बनी हुई थी। शासन–प्रशासन ने इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया। ई–पंजीकरण प्रणाली शुरू हो जाने से जहां पूरा सिस्टम पारदर्शी हो गया है वहीं बैनामा कराना बहुत आसान हो गया है। अब लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए तहसीलों में लंबा इंतजार करने से मुक्ति मिल गई है। रजिस्ट्री कराने के लिए व्यक्ति पहले से 'एप्वाइंटमेंट' ले सकता है। हरियाणा की तहसीलों और उप तहसीलों में ई–रजिस्ट्रेशन प्रणाली की शुरुआत 2015 से ही हो गई थी। रजिस्ट्री के दस्तावेज प्राप्त करने के लिए भी व्यक्ति को तहसील मुख्यालय आने की जरूरत नहीं है। रजिस्ट्री तीन दिनों के भीतर डाक के माध्यम से उसके पते पर प्राप्त की जा सकती है। वहीं वर्ष 2017 से हरियाणा में रजिस्ट्री में काम आने वाले स्टैंप पेपर की जगह ई–स्टैंप प्रणाली शुरू हो चुकी है। वहीं तहसीलों में पैन की ऑनलाइन सत्यापन सेवा उपलब्ध है। राज्य के तहसील मुख्यालयों में सदियों पुराने राजस्व रिकार्ड को सुरक्षित रखने के लिए उसका भी डिजिटलीकरण कर दिया है। डिजिटल रिकार्ड के संरक्षण के लिए आधुनिक रिकार्ड रूम बनाए गए हैं। इसी प्रकार, पहले प्रदेश में भूमि अधिग्रहण की समस्या गंभीर थी। किसानों की भूमि का जबरन अधिग्रहण आम बात थी, जिसे मौजूदा मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ समाप्त कराया। पुरानी व्यवस्था की जगह नया ई–भूमि पोर्टल लांच किया। इसके प्रावधानों के मुताबिक, राज्य में विकास कार्यों के लिए किसान अपनी जमीन स्वेच्छा से दे सकता है। इसका उद्देश्य राज्य में होने वाले विकास कार्यों में किसानों को शामिल करना है। इस पहल का नतीजा यह रहा कि ई–भूमि वेबपोर्टल पर अब तक 10,436 किसानों ने अपनी लगभग 26,837 एकड़ भूमि का पंजीकरण करा लिया है। राजस्व सुधार के पीछे मंशा यह थी कि किसानों की जमीन का अधिग्रहण उनकी मर्जी के बगैर नहीं होना चाहिए। वहीं सहमति से होने वाले भू–अधिग्रहण की प्रक्रिया में उन्हें उचित मुआवजा मिलना सुनिश्चित होना चाहिए। एक अन्य पहल के तहत, राजस्व सुधार में गांवों के लाल डोरे के अंदर की प्रॉपर्टी का मालिकाना हक दिलाना सबसे बड़ा प्रावधान है। चुनावी घोषणा पत्र को लागू करते हुए मुख्यमंत्री ने स्वामित्व योजना लागू कर गांव के लोगों को उनकी प्रॉपर्टी का अधिकार सौंप दिया। हरियाणा की इस योजना की लोकप्रियता को देखते हुए 24 अप्रैल, 2020 को इसे पूरे देश में 'प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना' के नाम से लागू किया गया।

बीआरपी इण्टर कालेज के मैदान में 25 से 31 अक्टूबर तक जनपदवासियों को सुनने को मिलेगा राम कथारूज्ञान प्रकाश सिंह

देश के प्रसिद्ध कथा वाचक शांतनु जी महाराज अपने मुखार बिंदु से श्रीराम कथा कहेंगे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – सेवा भारती जौनपुर काशी प्रांत के नेतृत्व में भव्य श्रीराम कथा का आयोजन शहर के बी0आर0पी0 इण्टर कॉलेज के मैदान में किया गया है। यह कार्यक्रम 25 अक्टूबर से शुरू होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा। 24 अक्टूबर को कलश यात्रा केरारवीर बाबा से शुरू होकर ओलंदगंज, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए रोडवेज के रास्ते शहर के बी0आर0पी 0 कालेज में जाकर समाप्त होगी। कलश यात्रा के दौरान झांकी भी शामिल रहेगी। काफी संख्या में बहनें कलश यात्रा लेकर चलेंगी। देश के प्रसिद्ध कथा वाचक शांतनु जी महाराज अपने मुखार बिंदु से श्रीराम कथा कहेंगे। इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी जनपदवासियों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या मे लोग भाग लें। यह जानकारी जौनपुर शहर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान श्री राम कथा के सह सर्व व्यवस्था प्रमुख डा0 वेद प्रकाश सिंह ने दी है।

इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता ६ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि 500 वर्ष बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण हो रहा है। हम लोगों का सौभाग्य है कि इस भव्य मंदिर में रामलला का दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि काफी दिनों से इच्छा थी कि भव्य श्रीरामकथा का आयोजन किया जाय। उन्होंने राम के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि उनके चरित्र को आत्मसात करने वाला व्यक्ति जीवन में कभी दुखी नहीं हो सकता है। संयोग अच्छा रहा कि 3 महीने बाद भगवान राम का दर्शन होने से पहले भव्य श्रीराम कथा जौनपुर शहर के बी0आर0पी0 इण्टर कालेज के मैदान में 25 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक जनपदवासियों को सुनने को मिलेगा। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या मे लोग पहुचकर इस श्रीराम कथा में शामिल होकर शांतनु जी महाराज के विचारों को सुनें और उसको आत्मसात करें। उन्होंने जनपदवासियों से यह भी अपील की है कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सबका सहयोग जरूरी है।आर 0एस0 एस0 काशी प्रांत के प्रांत कार्यवाहक मुरली पाल ने कहा की सनातन परंपरा की जीवंतता के आज के युग में श्रीराम कथा लाभकारी है। अध्यक्षता सेवा भारती के संयोजक संजय पाण्डेय ने तथा संचालन रविन्द्र कुमार सिंह ने किया।मुख्य रूप से सूर्यप्रकाश सिंह मुन्ना पूर्व प्रमुख संदीप सिंह प्रदीप सिंह रिंकू, विमल सिंह,सुनील सिंह, गणेश साहू, अरविंद सिंह, नारायण चौरसिया,नीतू सिंह अभिषेक, प्रशांत मिश्रा, डा अंजना सिंह, रागिनी सिंह, प्रीति गुप्ता, उर्वशी सिंह, डा सरला त्रिपाठी, किरण सिंह, सुचिता सिंह सहित सेवाभारती, राष्ट्र सेविका समिति, सहकार भारती, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच, हिंदू युवा वाहिनी, सखी वेलफेयर, अतुल्य वेलफेयर,बनवासी कल्याण आश्रम के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा ने बाबा साहब की विचारधारा को आगे बढ़ाया है : भूपेंद्र चौधरी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा है कि भाजपा ने चुनाव से पहले संकल्प पत्र में जो कहा था वह सब करके दिखाया। अखिलेश यादव अपना और मुलायम सिंह यादव का कार्यकाल याद कर लें, फिर टिप्पणी करें। उन सरकारों में सूबा दंगाइयों के हवाले था। श्री चौधरी शाहाबाद तहसील मुख्यालय पर स्वर्गीय उपेंद्र तिवारी की स्मृति में आयोजित मेगा कैंप में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति हम संकल्पित हैं, लेकिन सपाई परिवारवाद और जातिवाद तक ही सीमित हैं। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के पति उपेंद्र तिवारी की पुण्य तिथि में शामिल होने के लिए हरदोई पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों से कहा कि हमारी सरकारों ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, सुरक्षा सहित सभी विषयों पर काम किया है।

उनका आरोप है कि जब अखिलेश यादव शासन में थे, तो पूरे प्रदेश में अराजकता थी और सरकार दंगाइयों के साथ खड़ी थी। मुलामय सिंह यादव के शासन काल में महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी की गई और कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गईं। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए मोदी और योगी के नेतृत्व में काम किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि जनता को योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

प्रधानमंत्री से लेकर बूथ अध्यक्ष तक सेवा कार्या, रचनात्मक कार्यों के जरिए सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच ले जा रहे हैं। अखिलेश के बाबा साहब का संविधान खतरे में होने संबंधी बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब के प्रतीक चिन्हों को मिटाने का काम हमेशा सपा ने किया है। भाजपा ने बाबा साहब की विचारधारा को आगे बढ़ाया है।

लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा जरूरी

कांग्रेस नेताओं और अखिलेश यादव के बीच चल रही जुबानी जंग पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। विपक्ष के नेता भी हैं, लेकिन इन लोगों का इतिहास और सभ्यता कुछ अलग है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए ठगबंधन किया गया है। यह लोग कुछ भी कर लें प्रदेश और देश की जनता सब जानती है।

मोदी और योगी की सरकार स्वास्थ्य सहित सभी विषयों पर काम कर रही है। नए–नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं, सीएचसी और पीएचसी की स्थापना की जा रही है। सरकार की मंशा है कि उनके देश और प्रदेश के लोग स्वस्थ रहें। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां भी गिनाई। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी बेसहारा और गरीब लोगों को छत देने का काम किया। ठीक इसी तरह से उज्जवला स्कीम के अंतर्गत महिलाओं को गैस सिलेंडर और चूहे उपलब्ध कराए गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा सरकार किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं, दिव्यांगों सभी के लिए समान रूप से कार्य कर रही है । भाजपा की सरकार में कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री ने विश्व में भारत का सिर ऊंचा किया है। आज भारत की विश्व में एक पहचान बन चुकी है। उन्होंने इंडिया के घटक दलों पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि वह बेमेल गठबंधन है इसमें शामिल घटक दल एक दूसरे को पसंद नहीं कर रहे हैं। यह गठबंधन जनता के लिए नहीं है यह उनका पारिवारिक गठबंधन है। इस गठबंधन से जनता का कोई भला होने वाला नहीं है। पत्रकारों द्वारा ओमप्रकाश राजभर पर किए गए एक सवाल पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा ओमप्रकाश राजभर बड़े नेता हैं और विधायक हैं वह भाजपा गठबंधन के साथ हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री तथा शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक रजनी तिवारी ने भी प्रदेश और केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, पूर्व जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, पीके वर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, त्रिपुरेश मिश्र, अनुराग श्रीवास्तव,आदि तिवारी, नवनीत गुप्ता, गंगाराम राठौर, गोपाल गुप्ता, सुभाष रस्तोगी, अनिल कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे। तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने अंबेडकर पार्क में स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका, बैंक, कृषि एवं पशु विभाग की ओर से लगाई गये स्टालों का निरीक्षण किया और स्टाल पर मौजूद हस्त निर्मित कुछ चीजों के बारे में जानकारी भी ली।

सभी संस्थाएं एकजुट हैं यह हमारे लिए गौरव की बात है : आनंद मोहन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ समन्वय समिति जौनपुर द्वारा नगर के मंगलम लान में मां भगवती जागरण डांडिया नाइट का भव्य समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री रहे व कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद मोहन श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री चित्रगुप्त की आरती व मां भगवती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर अतिथि द्वारा किया गया । तदुपरांत वाराणसी से आए भजन गायक ने लोगों को भक्ति में गीतों से शराबोर कर दिया। उपस्थित लोगों ने जमकर भक्ति गीत का आनंद उठाया साथ ही डांडिया महोत्सव का भी आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं और पुरुषों ने हिस्सा लिया और डांडिया किया। समाज विभिन्न वरिष्ठ जनों व सामाजिक संगठनों के लोगों को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।

मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र अस्वस्थ होने के कारण समारोह में नहीं आ पाए उन्होंने अपना अपना संबोधन ऑडियो के माध्यम से आए हुए सभी अतिथियों को दिया आए। अपने संबोधन में उन्होंने समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह बहुत ही नेक पहल है इस तरह के आयोजन होने से समाज में समरसता बनी रहती है सभी लोग एकजुट होकर चित्रगुप्त भगवान की पूजा करें यह समाज बहुत ही बुद्धिजीवी वर्ग है इसे बहुत सारी अपेक्षाएं भी सभी को रहती हैं अगले वर्ष आयोजित कार्यक्रम में मैं जरूर उपस्थित रहूंगा। कार्यक्रम अध्यक्ष आनंद मोहन श्रीवास्तव ने कहा आज सभी संस्थाएं एकजुट हैं यह हमारे लिए गौरव की बात है हम बुद्धिजीवी वर्ग के लोग हैं इस तरह के आयोजन समय–समय पर होने से लोगों में परस्पर मेल मिलाप बना रहता है लोग एक दूसरे के सुख–दुख में पहुंच सकते हैं संस्था द्वारा किया गया यह सराहनीय कदम है।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहाबाद के केपी ट्रस्ट के निवर्तमान अध्यक्ष चौधरी राघवेन्द्र नाथ सिंह नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्य बीजेपी के जिला महामंत्री इं अमित श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव ने कहा कि इस समय समिति द्वारा सबको एक करने का प्रयास किया गया है जिसकी इस समय में बहुत आवश्यकता है हम सब कितने भी दल में बैठे क्यों ना हो लेकिन इस तरह के आयोजनों में एक साथ खड़े होने से एकता को बल मिलता है। वही का कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव ने कहा कि लगभग 3 साल पहले उनका देखा गया सपना आज साकार हुआ है इसके लिए उन्होंने कार्यक्रम संयोजक पंकज श्रीवास्तव व सह संयोजक शरद श्रीवास्तव को बधाई दिया। वाराणसी से चलकर जौनपुर आए श्री इवेंट के अध्यक्ष प्रवीण सिंह द्वारा भव्य जागरण और डांडिया कार्यक्रम को संपन्न कराया गया।सभी अतिथियों का व चित्रांश बंधुओ का स्वागत अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश महामंत्री जिला अध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप अस्थाना ने किया।आए हुए सभी अतिथियों का आभार कार्यक्रम संयोजक पंकज श्रीवास्तव हैप्पी ने किया। इस मौके पर संरक्षक प्रदीप कुमार श्रीवास्तव डी ओ वरिष्ठ अधिवक्ता संरक्षक राज कपूर श्रीवास्तव अजय कुमार श्रीवास्तव जज साहब डा अशोक कुमार अस्थाना ईओ वीरेन्द्र श्रीवास्तव अजय कुमार श्रीवास्तव मैनेजर रवि कुमार श्रीवास्तव सरोज श्रीवास्तव श्याम रतन अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला महासचिव संजय अस्थाना कायस्थ कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष दयाल शरण श्रीवास्तव महासचिव विपनेश कुमार श्रीवास्तव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवस्तव महासचिव सुरेश अस्थाना कायस्थ एकता मंच के जिला अध्यक्ष दयाशंकर निगम महासचिव ब्रह्म कुमार निगम कायस्थ वंश इंटरनेशनल के जिला अध्यक्ष मयंक नारायण सचिव आशीष श्रीवास्तव इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ के पूर्व अध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार न्यूज वन इंडिया के वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र कुमार खरे नीरज श्रीवास्तव देवेन्द्र श्रीवास्तव राजेश किशोर श्रीवास्तव अमित निगम विजय श्रीवास्तव रितेश श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में चित्रांश उपस्थित रहे।

मिशन शक्तिफेज-4 के अन्तर्गत महिला समस्या व उसका सरल समाधान विषय पर विचार-गोष्ठी आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गांधी स्मारक पी.जी. कालेज,समोधपुर में शनिवार को मिशन शक्ति फेज–4 के अन्तर्गत महिला समस्या व उसका सरल समाधानषविषय पर विचार–गोष्ठी काआयोजन हुआ।कार्यक्रम का उद्देश्य अध्ययनरत छात्राओं को उनकी स्वयं की समस्याओं और उसके समाधान के प्रति जागरूक करते हुए महिला समस्या का यथासम्भव निर्मूलीकरण है। कार्यक्रम की अध्यध्क्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पाण्डेय जन्म से आवासन पर्यन्त महिला समस्या के कारण और उनके निराकरण पर अपना पक्ष रखा। कार्यक्रम में अंजली यादव, प्रज्ञा यादव नित्या मिश्रा खुशी पाण्डेय, उर्वशी सिंह, शिक्षा यादव, अंशू दुबे, काजल तिवारी, स्मृति दूबे, रिशू आदि छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। प्रो.अरविन्द कुमार सिंह, प्रो. राकेश कुमार यादव, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ नीलमणि सिंह, डॉ.जितेन्द्र सिंह, डॉ विकास यादव ने छात्राओं को मिशन शक्ति के बारे में बिस्तार से बताया। इस अवसर पर बिंद प्रताप सिंह,अखिलेश सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन का अविनाश वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवधेश कुमार मिश्र ने किया।

51 शक्तिपीठ में मां का पीताम्बर श्रृंगार हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। नन्दना बीकेटी स्थित इक्यावन शक्तिपीठ तीर्थ धाम में शारदीय नवरात्र उत्सव के छठवें दिन शुक्रवार को मां कात्यायनी की आराधना भक्तों की। मंदिर की अध्यक्ष तृप्ति तिवारी ने बताया कि मां कात्यायनी के पिंडी पूजन का सौभाग्य मां के लाड़ले सेवादारों को प्राप्त हुआ। जिनमें मुख्य रूप से आचार्य धनंजय पाण्डे और गीता पांडे को प्राप्त हुआ। आज मां का पीताम्बर श्रृंगार हुआ।

विश्वविद्यालय में ओरिएंटेशन–सप्ताह का आयोजन में कंप्यूटर विज्ञान विभागों के छात्र हुए शामिल

लखनऊ (संवाददाता)। डीन छात्र कल्याण विश्वविद्यालय में ओरिएंटेशन–सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। पांचवें और अंतिम दिन वनस्पति विज्ञान, भौतिकी, प्राणी शास्त्र, सांख्यिकी, खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, एप्लाइड जियोलॉजी और कंप्यूटर विज्ञान विभागों के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर संगीता साहू ने विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए बधाई दी।

इसके अलावा प्रोफेसर विभूति राय, डीन विज्ञान संकाय ने छात्रों को अपने संकाय से सर्वोत्तम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद अतिरिक्त निदेशक सीपीसी डॉ. सुनीता श्रीवास्तव ने प्लेसमेंट के संबंध में छात्रों का मार्गदर्शन किया।

ह्युमिनिटी फाउंडेशन आफ इंडिया ने पशु कल्याण एवं सुरक्षा योजना की 25वीं वर्षगांठ मनाई

लखनऊ (संवाददाता)। देश की प्रमुख समाजसेवी अध्यात्मिक संस्था ह्युमिनिटी फाउंडेशन आफ इंडिया द्वारा संचालित एनिमल वेलफेयर और प्रोटेक्शन स्कीम की 25वीं वर्षगांठ पूरे उत्साह के साथ मनाई गई। श्री कृष्ण चेतना अवतार द्वारा पशु पक्षियों के लिये चलाई गई अभिनव गारमेंट स्कीम, जिसे अब एनिमल वेलफेयर एंड प्रोटेक्शन स्कीम कहा जाता है, 25 वर्ष पूर्ण होने पर इंदिरा नगर स्थित सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिव्य शक्ति योगी अभिनव महाराज जी ने कहा कि यह एक अद्भुत उपलब्धि है, जिससे पिछले 25 वर्षों में अनगिनत जीवों के जीवन पर करुणा और प्रेम की छाया दिलाई गई है। हम उन दिलों के सुन्दर किस्सों को मनाएं, जिन्होंने बचाव, पुनर्वास और मानवों और उनके साथियों के बीच बढ़ी विशेष रिश्तों को दिखाया। हम इस अवसर को चिन्हित करते हैं, हमें चाहिए कि हम उनके सभी रूपों में भगवान के संदेशवाहकों के प्रति अपने समर्पण का नवीनीकरण करें। साथ में, हम उनके कृतियों की सुरक्षा और देखभाल के महत्वपूर्ण काम को जारी रखे। 25 सालों में महत्वपूर्ण अंतर करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई। श्री अभिनव महाराज ने आगे कहा कि हम गर्व से इस अद्भुत पहल का हिस्सा है, जिसे श्रीकृष्ण चेतना अवतार देवी मां और आध्यात्मिक गुरु शक्ति मां पूनम जी के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। 25 सालों की पशु कल्याण और संरक्षण योजना की यात्रा बस एक उपलब्धि नहीं है, यह हमारे अविचल समर्पण और अद्वितीय बदलाव का साक्षी है। उन्होंने कहा कि वाणी परिवार और एच.एफ.आई. परिवार के परिश्रमी प्रयासों के साथ–साथ श्री कृष्ण चेतना अवतार देवी मां की पवित्र आशीर्वादों ने हमें इस बिंदु तक पहुंचाया है। हमने इन दो और आधे दशकों के दौरान जो काम किया है, वह एक भक्ति के फूलों का गुच्छा, दया का एक बगीचा और सकारात्मक परिवर्तनों का एक वन है। इस मौके पर उपस्थित आध्यात्मिक गुरु शक्ति मां पूनम जी ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि प्रत्येक दिन हमने मेहनत करने के लिए बीज बोए। हमने परिवर्तनों को देखा, जीवन बचाया और अनगिनत मासूम जीवों के चेहरों पर मुस्कान लाई। यह हमारे प्यार और सहानुभूति की यात्रा है, हमने अपने बीच सबसे असहाय की सुरक्षा की।

60 हजार स्कूलों में तीन नवंबर को होगा सर्वेक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 60,500 परिषदीय स्कूलों व माध्यमिक स्कूलों में पढ़ रहे कक्षा तीन, छह व नौ के विद्यार्थियों का भाषा व गणित में ज्ञान का स्तर आंकने के लिए तीन नवंबर को राज्य शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण यानि एसईएएस किया जाएगा। ब्लॉक लेबल पर सर्वेक्षण की तैयारी शुरू करने के निर्देश जिलों को दिए गए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद की ओर से भेजे गए दिशा निर्देश में सर्वेक्षण में कक्षा तीन के 19,262, कक्षा छह के 23,005, कक्षा नौ के 18,233 स्कूल शामिल हैं।

समिट बिल्डिंग पहुंचे नीदरलैंड के खिलाड़ी

ब्लैक रू हाउस में पार्टी करने पहुंचे स्टार खिलाड़ी वान डेर मर्व

लखनऊ (संवाददाता)। अफ्रीका जैसी धाकड़ टीम को हराने के बाद नीदरलैंड टीम के खिलाड़ी नवाबी नगरी लखनऊ पहुंच चुके हैं। 21 अक्टूबर को श्रीलंका के साथ नीदरलैंड टीम इकाना में अपना मैच खेलेगी। हालांकि मैच खेलने से पहले टीम के कुछ खिलाड़ी गुरुवार रात लखनऊ के समिट बिल्डिंग स्थित ब्लैक रू हाउस क्लब में पार्टी करने पहुंचे। वान डेर मर्व के साथ टीम के अन्य दो खिलाड़ी और एक भारतीय प्रतिनिधि क्लब पहुंचे। पहले तो उन खिलाड़ियों को बिल्डिंग में कोई पहचान नहीं पाया। लेकिन कुछ देर बाद वहां इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई। ज्यादातर क्लब वालों उनकों अपने यहां आने का निमंत्रण देने लगे। लेकिन उन लोगों ने 15 फ्लोर स्थित ब्लैक रू हाउस क्लब में जाना पसंद किया। वहां की टैरिस्ट पर उन लोगों ने करीब दो घंटे से ज्यादा समय से वक्त बिताया। वहां उस दौरान ड्रिक के साथ कुछ भारतीय खाने का आनंद उठाया। पहले अफ्रीका और अब नीरदलैंड का प्रतिनिधित्व कर रहे वान डेर मर्व हाफ पैंट और वाइट टीशर्ट में पहुंचे थे। उन लोगों ने पहले तो बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर सभी क्लबों की सूची देखी। उसके बाद करीब 5 मिनट तक लिफ्ट का इंतजार किया गया। उसके बाद वह लोग 15 वें फ्लोर पर ब्लैक रू हासस पहुंचे। यहां का स्टाफ भ पहले उनको पहचान नहीं पाया लेकिन यहां चल रहे डांडिया में शामिल होने आए कुछ लोगों में इसको लेकर चर्चा होने लगी। नीरदलैंड की टीम श्रीलंका से भिड़ेगी। इसमें श्रीलंका की टीम अभी तक अपना खाता भी नहीं खोल पाई है। टीम अगर यह मैच हार जाती है तो वह विश्वकप सेमिफाइनल की दौर से लगभग बाहर हो जाएगी। ऐसे में उसके लिए यह जीत बहुत जरुरी है। हालांकि नीदरलैंड की टीम एक मैच जीतकर अपना खाता खोल चुकी है। अगर वह श्रीलंका को हराती है तो एक बड़ा उलटफेर होगा।

मुमताज पी.जी. कॉलेज में चयन की प्रक्रिया में गड़बड़ी : मो. आफाक

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कन्वीनर मोहम्मद आफाक ने आरोप लगाया है कि मुमताज पी.जी. कॉलेज में होने वाली चयन प्रक्रिया में बहुत गड़बड़ियाँ हैं महाविद्यालय प्रबंधन व प्रशासन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से सांठगांठ कर कुल पांच सहायक प्रवक्ताओं की सीटों में से दो सीटें लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन को देकर सीटों का बन्दर बांट कर लिया है। इसमें मुख्य भूमिका प्रबंधन के एक विशेष पदाधिकारी की है जो आजकल अंजुमन का सर्वे सर्वा बना हुआ है। जिस पर उसके सरपस्त की खास मेहरबानी है।

मैक्स फैशन ने नया फेस्टिव कलेक्शन पेश किया

लखनऊ (संवाददाता)। भारत के सबसे बड़े और सबसे पसंदीदा फैशन ब्रांड मैक्स ने आज नए मैक्स फेस्टिव कलेक्शनष की प्रस्तुति की घोषणा की। दुबई आधारित अंतरराष्ट्रीय रिटेल श्रृंखला दिल्ली एनसीआर के निवासियों के लिए 199–रुपये से शुरू होने वाला एक स्टाइलिश संग्रह पेश करते हुए नए रुझानों के साथ मार्ग को प्रशस्त करती है। इस आयोजन को बहुत धूमधाम और स्टाइल के साथ मनाते हुए, भारतीय अभिनेत्री निधि शाह ने उत्कृष्ट नवीनतम सेलेस्टियल पॉप और ग्लैम संग्रह का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, लैंडमार्क ग्रुप–मैक्स फैशन में वाइस प्रेसीडेंट और हेड ऑफ मार्केटिंग, सुश्री पल्लवी पांडे ने कहा, "इस त्योहारी सीजन में, हम अपने पसंदीदा ग्राहकों के साथ उत्सव की भावना जगाने के लिए रोमांचित हैं। इस वर्ष, हमें उत्सव के आकर्षण बिन्दु के रूप में अपनी नवीनतम कलेक्शन–सेलेस्टियल पॉप और फेस्टिव ग्लैम का अनावरण करते हुए खुशी हो रही है। हम गर्व से दिल्ली एनसीआर में इन संग्रहों को लॉन्च करते हुए बहुत उत्साहित हैं।

इसके अतिरिक्त, हम उत्तर भारत में अपने रिटेल दायरे का विस्तार करने के लिए तत्पर और सभी खरीदारों के साथ फैशन और उत्सव की खुशी साझा करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने आगे कहा, "त्यौहारी सीजन पूरे जोरों पर आने के साथ मैक्स का लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाले फैशन को सभी के लिए सुलभ बनाना है। आगे बढ़ते हुए, हमारा ब्रांड भविष्य में खोले जाने वाले 5 नए स्टोर के साथ उत्तर भारत में विकास को गति देना चाहता है, जिससे साल के अंत तक हमारे 90 से अधिक स्टोर हो जाएंगे। अधिकतम शैली, न्यूनतम कीमत के सिद्धांत के आधार परय इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए ट्रेंडी और पारंपरिक परिधानों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की जाएगी।इस उत्साह को बढ़ाते हुए, इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाली प्रसिद्ध सेलिब्रिटी निधि शाह , ने उत्सव कलेक्शन की एक लुक बुक का अनावरण किया और नए उत्सवी परिधान पहने हुए पुतलों का प्रदर्शन किया।

गरबा नाइट में महिलाओं और बच्चों ने अपनी कला का जादू प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध

अयोध्या कायस्थ विकास संस्थान की पहल की हुई सराहना

अयोध्या। अयोध्या कायस्थ विकास संस्थान द्वारा आयोजित गरबा डांडिया नाइट कार्यक्रम में खूबसूरत झिलमिल दूधिया रोशनी से जगमगाते मैदान पर पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं और बच्चे बरबस हर किसी को अपनी ओर खींच रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त जी की स्तुति और आरती से हुआ।उसके बाद बच्चों और महिलाओं ने गरबा डांडिया कार्यक्रम प्रस्तुत किया।दूधिया लाइट से सजा यह मैदान जन्नत सरीखे नजर आ रहा था। डीजे पर बज रहे भक्ति मय गीतों पर जहां बच्चे अपने हुनर का जादू बिखेर तालियां बटोर रहे थे।वहीं पारंपरिक परिधानों में सजी सवरी महिलाएं भी सधे अंदाज में गरबा नृत्य प्रस्तुत कर लोगों की खूब वाहवाही लूटती नजर आईं।गरबा और डांडिया कार्यक्रम के बीच बच्चों का एकल नृत्य और सामूहिक नृत्य दर्शकों का मन मोह रहा था।देर शाम शुरू हुए यह कार्यक्रम आधी रात तक चलता रहा। एक तरफ जहां महिलाएं भारतीय परंपरा की झलक पेश करती नजर आईं तो वहीं संगठन का पुरुष वर्ग भी पारंपरिक कुर्ता पाजामा में अतिथियों का स्वागत करते नजर आए।महिला विंग की एकता श्रीवास्तव के संयोजन में हुए इस शानदार कार्यक्रम की भूमिका काफी सराहा गया। कार्यक्रम के अंत में भोजन के बाद संगठन के अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव,अभय श्रीवास्तव,राजेश श्रीवास्तव,जय प्रकाश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव राजू ,प्रतीक श्रीवास्तव स्वप्निल श्रीवास्तव,शिखर श्रीवास्तव जय,दीपक श्रीवास्तव, दीपक जौहरी ,सीएम श्रीवास्तव, ऋषभ श्रीवास्तव, व महिला विंग की मोना श्रीवास्तव,अंजू श्रीवास्तव, दीपा श्रीवास्तव, भारती श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शादी की सम्पूर्ण रेंज की खरीददारी पर ग्राहकों को मिलेगा एलईडी टीवी : सूरज सोनी

सिद्धिविनायक ज्वेलर्स में फेस्टिवल ज्वेलरी शॉपिंग का हुआ उद्घाटन

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । नगर के लाइन बाजार चौराहा हनुमान जी मन्दिर स्थित सिद्धिविनायक ज्वेलर्स में फेस्टिवल ज्वेलरी शॉपिंग का उद्घाटन समाजसेवी मदन लाल सेठ व उर्मिला देवी ने फीता काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 20 व 21 अक्टूबर को यहां पर विशेष आफर ग्राहकों को दिया जा रहा है।

फर्म के अधिष्ठाता सूरज सोनी ने बताया कि सिद्धिविनायक ज्वेलर्स में शुभ विवाह लग्न आफर चल रहा है। जिसमें ग्राहकों को शादी की सम्पूर्ण रेंज की खरीददारी पर एलईडी टीवी मुफ्त दिया जायेगा। हमारे यहां एचयूआईडी बीआईएस हालमार्क के ज्वेलरी मिलते हैं। हमारे यहां गोल्ड एवं सिल्वर ज्वेलरी पर आजीवन निरूशुल्क रख रखाव व मेन्टेनेन्स की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही भविष्य स्वर्ण संचय योजना की भी सुविधा है। जिसमें ग्राहक एक आसान किश्तों में अपने मनपसन्द ज्वेलरी की खरीददारी कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रत्येक ज्वेलरी की खरीददारी पर निश्चित उपहार भी उपलब्ध है। आये हुए भी अतिथियों व ग्राहकों का स्वागत धीरज सोनी व नीरज सोनी ने किया। सभी के प्रति आभार फर्म के अधिष्ठाता सूरज सोनी व पंकज सोनी ने व्यक्त किया।

अग्रवाल ज्ञान केन्द्र रीडगंज द्वारा रोजगार परख शिक्षा प्रदान कर किया जा रहा सराहनीय कार्य

इस संस्था से निकले कई छात्र देश व विदेश में दे रहे अपनी महत्वपूर्ण सेवा

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र के रीडगंज देवकाली सम्पर्क मार्ग पर ओवर ब्रिज के नीचे स्थित अग्रवाल ज्ञान केन्द्र द्वारा दी जा रही व्यावसायिक शिक्षा शिक्षार्थियों के लिये परिवर्तनकारी साबित हो रहा है। हीरालाल अग्रवाल फाउंडेशन द्वारा दिये जा रहे फंड व पानी संस्था द्वारा संचालित इस संस्था से कंप्यूटर,टैली सहित अन्य उपयोगी कोर्स को सीखकर हजारों की संख्या में छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण सेवा दे रहे हैं।वही यहां से निकले अनेकों छात्र विदेशों में भी जाकर महत्वपूर्ण पदो पर आसीन होकर अपने माता–पिता व जिले के साथ साथ अग्रवाल ज्ञान केन्द्र का नाम रोशन कर रहे हैं।बताते चलें कि इस संस्था की स्थापना वर्ष 2010 मे रीडगंज ओवरब्रिज के समीप हुई थी।इसकी संस्थापक कोतवाली नगर क्षेत्र के फतेहगंज निवासी जो अब पचास वर्षों से अमेरिका में रह रहे भास्कर देव अग्रवाल ने किया था।इस संस्था की निदेशिका अलका वर्मा व प्रबंधक अमित कुमार मणि त्रिपाठी है। इन्हीं के देखरेख में यह संस्था वर्तमान समय में लगातार बुलंदियों की ऊंचाई पर छू रहा है। बताते चलें कि अग्रवाल ज्ञान केन्द्र एक अग्रणी शैक्षणिक स्थान है।जिसने नवीनतम पाठ्यक्रम आफिस असिस्टेंट ट्रेनिंग का अनावरण किया है। जिसका लक्ष्य गरीब तबके के निर्धन विद्यार्थियों मे कौशल का विकास करना तथा नवीनतम उद्योग रुझानों के अनुरूप छात्रों को तैयार करके उन्हें रोजगार परक बनाना है। वही शिक्षा को सुलभ बनाने के लिये इस संस्थान द्वारा योग्य उम्मीदवारों को छात्रवृति और वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है।

8 के नवाब और 45 की वो अंतिम समय मे नवाब वाजिद अली शाह कलकत्ता में बसाना चाहते थे नया लखनऊ

लखनऊ (संवाददाता)। बेगमों की तादाद पौने चार सौ तक पहुंच गई लेकिन शुरुआत की तीन शादी बात बनते बनते बिगड़ गई। अवध के आखघ्रिी नवाब वाजिद अली शाह के पंद्रह साल के होने पर बाद दिमागी कसरत मुनिरुद्दौला की बेटी से शादी तय हुई लेकिन उनसे नहीं बल्कि छोटे भाई मिर्जा सिकंदर हशमत बहादुर से हुई। दूसरा रिश्ता सैफुदौलाह की बेटी से तय हुआ लेकिन यह शादी भी नहीं हुई। तीसरी रिश्ते की एक चाची की बेटी से बात आगे बढ़ी लेकिन लड़की के कोढ़ के कारण लटक गई। चौथा रिश्ता शादी में बदला। नवाब अली नकी खां की बेटी वाजिद अली से पांच साल बड़ी थीं, यहां बात बनी लेकिन तय तारीख के दौरान वाजिद अली के चाचा और उधर होने वाली बीवी की चाची का निधन हो गया।1847 से 1856 तक अवध के शासक रहे वाजिद अली शाह को याद करने वाले दो किनारों पर खड़े मिलेंगे।एक वो जिन्होंने इतिहास की इबारतों में उन्हें ऐसे शासक के तौर पर पाया जिसने साल के 365 दिनों से ज्यादा शादियां रचाईं। जिसकी जिंदगी में शासन का मतलब राग–रंग और संगीत की महफिलों में डूबे रहना था। कोठेवालियां,. मुजरे वाली, शायरी और संगीत की लहरियां शामिल थीं।साजिंदे और हिजड़े, परीखाना, चिड़ियाघर और तमाम तरीके की फिजूलखर्चियां शामिल थीं।दूसरों की निगाह में संवेदनशील–रहमदिल इंसान थे, जिनमें सृजन की अनूठी क्षमता थी। वह फारसी और उर्दू भाषा के अच्छे जानकार थे और उन्होंने कई किताबें लिखीं। लखनवी कल्चर को उन्होंने समृद्ध किया। उनके लिखे और मंचित नाटक , संगीत कौशल और खूबसूरत इमारतें उनकी शख्सियत के उस पहलू को उजागर करती हैं जो उनकी रचाई शादियों की आड़ में छिप गईं। नवाब को याद करने वाले इस वर्ग की राय में अंग्रेजों ने छल दृ कपट से उनका राज छीन लिया वर्ना वह एक बेहतर शासक होते।ऐसे लोग हर दिल अजीज नवाब के लखनऊ छोड़ने के बाद वहां के हर आम खास के उदास होने और फिर लगातार उन्हें याद करते रहने का हवाला देते हैं।वाजिद अली शाह को अपने बचपन में जिन अनुभवों से गुजरना पड़ा, चौंकाता है।अपनी आत्मकथा "परीखाना" में उन्होंने लिखा ," जब मेरी उम्र आठ बरस की थी, रहीमन नाम की एक औरत मेरी खिदमत में लगाई गईमउसकी उम्र करीब पैंतालिस साल थी। एक दिन जब मैं सो रहा था, उसने मुझ पर काबू पा लिया। दबोच लिया और मुझे छेड़ने लगी।मैं डरकर भागने लगा लेकिन उसने मुझे रोक लिया और मुझे उस्ताद मौलवी साहब से शिकायत करने का डर दिखाया।मैं परेशान था कि किस मुसीबत में फंस गया। फिर अगले दो साल तक जब तक रहीमन रही, यह रोज का सिलसिला हो गया। मां की मुलाजिम अमीरन ने भी यही दोहराया। ग्यारह वर्ष तक वाजिद को औरतों की संगत भाने लगी और फिर बन्नो साहब, हाजी खघनम जैसे नाम जुड़ते चले गए। वाजिद अली शाह उस समय सिर्फ 26 साल के थे जब उन्होंने आत्मकथा "परीखाना" लिखी , जिसमें उनकी शुरुआती प्रेमकहानियां बेबाकी से दर्ज हैं। उनके मुताबिक,"हर इंसान को ऊपर वाले ने मोहब्बत करने का मिजाज दिया है। इसे बसंत की बगीचा होना चाहिए लेकिन मेरे लिए यह एक खर्चीला जंगल बन चुका है।"ऐसा क्यों हुआ? नवाब उस अधेड़ रहीमन की याद दिलाते हैं, जिसके जिम्मे आठ साल के शहजादे की देखभाल थी लेकिन वह अगले दो साल तक उन पर गलत इरादों से काबिज रही।ग्यारह बरस की उम्र में वह 35–40 बरस की उस अमीरन की सोहबत याद करते हैं , जो शोख पोशाक और साज शृंगार से उन्हें लुभाती और नजरें उन पर गड़ाए रहती। एक रात बिस्तर पर उन्हें अकेला पाकर साथ लेट गई,तब जो हुआ उसमें डर था न दबाव।दुनिया नवाब को कुछ माने और जाने लेकिन कोलकाता में बसे उनके वंशजों की नजर में तो नवाब इतने पवित्र थे कि किसी स्त्री से विवाह के बिना उसके साथ समय गुजारने को तैयार नहीं थे।इस्लाम इस शर्त के साथ चार शादियों की इजाजत देता है कि सबके साथ एक सा बरताव हो,फिर नवाब के लिए सैकड़ों शादियां कैसे मुमकिन हुईं?नवाब शिआ थे, जो दो तरह की शादियों को मान्यता देते हैं। एक निकाह जो ताउम्र चलता है और दूसरा निकाह 'मुताह' जो एक तय समय का करार होता है।

समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने लगाया आरोप कहा पूरे नगर निगम अयोध्या क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार ।कई जाने भी जा चुकी लेकीन स्वास्थ महकमा और नगर निगम ने अभी तक किसी भी वार्ड में न फागिग और न एंटी लार्वा छिड़काव का किया उचित इंतजाम । जिस तरह से डेंगू का कहर पूरे अयोध्या में फैला है उससे अयोध्या कोई घर ऐसा नहीं होगा जो इससे बचा हो महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा की प्रशासन व स्वास्थ महकमा की लापरवाही का नतीजा है की आज डेंगू पूरे अयोध्या में फैल चुका है और अब वो खतरनाक रुप ले चुका है और लोगों को जान गवानी पड़ रही है, जिला अस्पताल की इतनी खराब व्यवस्था है की लोगो को बेड नही मिल पा रहा है, मजबूरी में लोगो को प्राइवेट अस्पतालों में जाना पड़ रहा है, पूरे नगर निगम में जल भराव है, मच्छर उसमे ही पनप रहे हैं लेकीन प्रशासन व स्वास्थ महकमा हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं, महानगर के सभी वार्डो में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल है, डोर टू डोर कूड़ा उठाने की व्यवस्था फेल हो चुकी है, महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने आरोप लगाया जिला अस्पताल में कोई वार्ड ऐसा नहीं है जहा डेंगू के मरीज न हो कोई सैप्रेट वार्ड में मरीजों को न रखकर हर वार्ड मे भर्ती कर रहे है, बहुत से लोगो को रिफर भी कर दे रहे है जिससे लोगो की अब जाने जा रही है नगर निगम युद्ध स्तर पर एंटी लार्वा, चूना व मेलाथियान के छिड़काव का अभियान शुरू करे। बुखार के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए टायफाइड, डेंगू और मलेरिया बुखार से महानगर के लोगों को बचाने तथा अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर काम करना होगा, अगर अब भी स्वास्थ महकमा नही जागा तो समाजवादी पार्टी नगर निगम का घेराव करेगी।

पुजारी की हत्या के आरोप में दो नाबालिग शिष्य हिरासत में

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या राम जन्मभूमि परिसर के उच्च सुरक्षा क्षेत्र में स्थित अयोध्या के प्रसिद्ध हनुमान गढ़ी मंदिर में एक पुजारी की हत्या के मामले में 15 से 18 साल की उम्र के दो नाबालिग शिष्यों को हिरासत में लिया गया है 44 वर्षीय पुजारी राम सहारे दास का शव गुरुवार तड़के राम जन्मभूमि परिसर में हनुमान गढ़ी मंदिर के बगल के एक कमरे में पाया गया पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि पुजारी की हत्या आरोपियों के साथ टकराव के बाद की गई थी, लेकिन अपराध के सटीक मकसद का पता लगाने की कोशिश की जा रही हैं अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राज करन नैय्यर के मुताबिक, श्पुलिस को गुरुवार सुबह घटना की जानकारी मिली। पुजारी का शव दूसरे पुजारी को तब मिला, जब पुजारी सुबह की प्रार्थना के लिए नहीं आया। दास छह महीने से हनुमान गढ़ी मंदिर के चार सहायक पुजारियों में से एक थे परिसर के अन्य पुजारियों के अनुसार, दास का बुधवार की रात दो शिष्यों के साथ कुछ टकराव हुआ था। दोनों शिष्य मृतक पुजारी के साथ उसके कमरे में रहते थे। टकराव के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है महानिरीक्षक (अयोध्या रेंज) प्रवीण कुमार ने कहा कि पुजारी राम करण दास की शिकायत के आधार पर दोनों शिष्यों को हिरासत में लिया गया और उनसे पूछताछ की जा रही है उन्होंने कहा, ष्दोनों शिष्यों ने पुजारी की हत्या कर दी, लेकिन हत्या का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है।

मिशन शक्ति फेज–4 के अन्तर्गत महिला समस्या व उसका सरल समाधानषविषय पर विचार–गोष्ठी आयोजित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जी

जौनपुर। गांधी स्मारक पी. जी.कालेज,समोधापुर में शनिवार को मिशन शक्ति फेज–4 के अन्तर्गत महिला समस्या व उसका सरल समाधानषविषय पर विचार–गोष्ठी काआयोजन हुआ।कार्यक्रम का उद्देश्य अध्ययनरत छात्राओं को उनकी स्वयं की समस्याओं और उसके समाधान के प्रति जागरूक करते हुए महिला समस्या का यथासम्भव निर्मूलीकरण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पाण्डेय जन्म से आवासन पर्यन्त महिला समस्या के कारण और उनके निराकरण पर अपना पक्ष रखा। कार्यक्रम में अंजली यादव, प्रज्ञा यादव नित्या मिश्रा खुशी पाण्डेय, उर्वशी सिंह, शिक्षा यादव, अंशू दुबे, काजल तिवारी, स्मृति दूबे, रिशू आदि छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। प्रो.अरविन्द कुमार सिंह, प्रो. राकेश कुमार यादव, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ नीलमणि सिंह, डॉ.जितेन्द्र सिंह, डॉ विकास यादव ने छात्राओं को मिशन शक्ति के बारे में बिस्तार से बताया। इस अवसर पर बिंद प्रताप सिंह,अखिलेश सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन का अविनाश वर्मा और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवधेश कुमार मिश्र ने किया।

ऐतिहासिक फैसले के बाद सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को मिली 5 एकड़ जमीन के संपूर्ण क्षेत्रफल पर मस्जिद ही बनाई जाए (बाबा जाहिद खा वारसी)

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। 20 अक्टूबर 2023 शहर के वरिष्ठ समाजसेवी व सुफी खानकाह के प्रदेश उपाध्यक्ष बाबा जाहिद खा वारसी ने धन्नीपुर मे बनने वाली मस्जिद पर कहा कि संबंधित ट्रस्ट द्वारा लगभग 3 साल से मुस्लिम आवाम को बेवकूफ बना रही है ऐतिहासिक फैसला आने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री रामचंद्र जी का विशाल मंदिर लगभग बनकर तैयार हो गया परंतु मस्जिद पर 1 ईट भी नहीं रखी गई तथा उक्त मस्जिद का कई बार नक्शा और नाम भी संशोधित किया गया।

सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ध्मुस्लिम पर्सनल बोर्ड तथा संबंधित ट्रस्ट के मस्जिद निर्माण में ढीले रवैया पर श्री वारसी ने नाराजगी जताते हुए कहा है मस्जिद को मिली 5 एकड़ जमीन के संपूर्ण क्षेत्रफल पर मस्जिद ही बनाई जाए तथा मस्जिद निर्माण जनपद अयोध्या की मुस्लिम मरकज टाट शाहध् सराय के सेक्रेटरी तथा काजी व शहर के मुफ्तियों व मुफ्तीए अवध आदि तथा रौनाही गांव में स्थित मदरसा के जिम्मेदारान तथा गांव के संभ्रांत व्यक्ति की कमेटी गठन कर उनकी देखरेख में धन्नीपुर मस्जिद का निर्माण कराया जाए।

वोटर चेतना महाअभियान में पदाधिकारी डोर-टू-डोर करें सम्पर्क

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। वोटर चेतना महाअभियान में पदाधिकारी डोर–टू–डोर सम्पर्क करें। वोटर लिस्ट प्रकाशन के उपरांत उसका गहना से अध्यनन करें। बूथ स्तर की पदाधिकारी फर्जी वोटर का नाम कटवाने तथा नए मतदाताओं को जोड़ने का कार्य में जुटें। जिले व महानगर के पदाधिकारी इसके लिए योजना बना लें। नवम्बर माह में लखनऊ में आयोजित अनूसूचित जाति महासम्मेलन में सभी विधानसभाओं से आपेक्षित कार्यकताओं की उपस्थिति सुनिश्चित करें। उक्त बातें जनपद के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सहादतगंज स्थित पार्टी कार्यालय पर महानगर व जिले के पदाधिकारियों की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि वोटर चेतना अभियान के तहत घर–घर सम्पर्क व संवाद किया जाए। नए मतदाताओं से विशेष सम्पर्क स्थापित किया जाय। प्रत्येक बूथ पर 100 नए मतदाता बनाने का लक्ष्य रख गया है। 3 नवम्बर को आयोजित अनूसूचित जाति मोर्चा महासम्मेलन में प्रत्येक विधानसभा से दो हजार कार्यकताओं का उपस्थित होनी चाहिए। इसके लिए पदाधिकारी जिम्मेदारियां तय करें। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा वोटर चेतना अभियान के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां दी जा रही है। कार्यशाला आयोजित कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यकर्ता घर–घर सम्पर्क कर संवाद की प्रक्रिया को तेज करें। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपनी सक्रियता बढ़ा दें। लोगों को शत–प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करें। युवा मतदाताओं से पार्टी की विचारधारा के बारे में चर्चा करें। लभार्थियों से लगातार सम्पर्क में रहें। बैठक के दौरान जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू ने सोहावल तथा अमानीगंज में 5 नये धान क्रय केन्द्र खुलवाने का अनुरोध किया। अनूसूचित जाति मोर्चा के महानगर अध्यक्ष सूरज सोनकर ने आबादी की भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने का अनुरोध किया। प्रभारी मंत्री ने दोनों मांगो पर यथा शीघ्र कार्यवाही का भरोसा दिया। बैठक में अवधेश पाण्डेय बादल, बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, अभिषेक मिश्र, आलोक सिंह रोहित, अभय सिंह, शैलेन्द्र कोरी, प्रतीक श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, तिलकराम मौर्या, आकाश मणि त्रिपाठी, परमानंद मिश्र, राघवेन्द्र पाण्डेय, सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीएम बनने के बाद पहली बार आयेंगे श्री राम की कुलदेवी माता देवकाली मंदिर

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सीएम योगी आदित्यनाथ 21 अक्तूबर को अपराहन 3.35 पर राम कथा पार्क हेलीपैड पहुंचें। 3.45 बजे पर हनुमानगढ़ी व 4.05 बजे राम जन्मभूमि जाकर राम लला का दर्शन पूजन कर राम मंदिर निर्माण का निरीक्षण करेंगे। उसके बाद वे 4.40 पर आयुक्त सभागार में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर 6.15 से 7:15 तक विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।उसके बाद 7.30 पर सरयू अतिथि गृह पर जाकर रात्रि विश्राम करेंगे। वही 22 अक्टूबर की सुबह 8:00 बजे सीएम बनने के बाद पहली बार योगी आदित्यनाथ भगवान श्री राम की कुलदेवी बड़ी देवकाली मां का दर्शन पूजन पूजन करेंगे। उसके बाद 8:15 बजे सरयू अतिथि गृह पर जाकर संतो से मुलाकात कर जलपान करेंगे। तत्पश्चात वे 9:30 बजे अंतरराष्ट्रीय बस स्टॉप पर जाकर परिवहन निगम की बसों को हरी झंडी दिखाएंगे।10:30 बजे राम कथा पार्क हैलीपैड से हेलीकॉप्टर से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

कृषि मंत्री ने श्रीअन्न की खेती का किया निरीक्षण

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।रुदौली–अयोध्या। मोदी सरकार द्वारा देश में मोटे अनाजो को बढ़ावा देने के लिए चलाये जा रहे सरकारी प्रयासो को गति देने के लिए योगी सरकार के कद्दावर नेता, जिले के प्रभारी मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही नें आज रुदौली बिधायक रामचंद्र यादव के साथ मण्डलीय व जनपदीय अधिकारी ए. के. त्रिपाठी संयुक्त कृषि निदेशक अयोध्या, एवं उप कृषि निदेशक डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, जिला कृषि अधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा, जिला कृषि रक्षा अधिकारी श्रीमती प्रीति किरण बाजपेयी, भूमि संरक्षण अधिकारी शुभाष चंद्र वर्मा, उप कृषि निदेशक भूमि संरक्षण डॉ. प्रभाकर सिंह के साथ मवई ब्लॉक अंतर्गत शिवाला चौराहा पर पूर्व अध्यक्ष प्रधान संघ रुदौली राम प्रेस यादव द्वारा खेतों में बोये गए श्रीअन्न सांवा और ज्वार की खेती का स्थलीय निरीक्षण किया, कृषि मंत्री नें राम प्रेस यादव से पूछा कि मूंग, सांवा और ज्वार की सहफसली खेती से क्या लाभ है पिछले दिनों कृषि बिभाग द्वारा रुदौली बिधायक रामचंद्र यादव के द्वारा किसानों में बुवाई के लिए निःशुल्क मिनी किट सांवा, कोड़ौ, ज्वार, बाजरा, मूंग आदि मोटे अनाज के बीज का वितरण किया गया था, इसके बाद मंत्री जी नें अतीक अहमद के खेत में कोदौ तथा नागेश्वर प्रसाद यज्ञसैनी के खेत में सहफसली उड़द एवं कुसुम तथा प्रधान नगरा राजेंद्र यादव के आवास पर गौ पालन पर चर्चा, सांवा, ज्वार और बाजरा की खेती देखी इसके बाद जलपान किया इस अवसर उप जिलाधिकारी रुदौली श्रीमती अंशिका दीक्षित, सहायक बिकास अधिकारी धीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी उमा शंकर वर्मा, प्रभारी कृषि रक्षा बिनोद कुमार वर्मा, शिव कैलास यादव, विपिन सिंह, पावन शर्मा, राजेश वर्मा, विश्राम साहू, सुजीत सिंह, पप्पू वर्मा, थानाध्यक्ष पटरंगा सहित अधिकारी व किसान उपस्थित थे।

इफ्को के सीजीएम कृषि पहुँचेबाराबंकी,किया किसान समृद्धि केंद्र का निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के इफ्को के मुख्य प्रबंधक कृषि डा. जी पी तिवारी ने बाराबंकी के प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र का औचक दौरा किया। किसानों से केंद्र पर मुहैया कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जाना।डा. जी पी तिवारी ने किसानों से बातचीत में कहा कि अब एक बोरी यूरिया का काम 1 बोतल नैनो यूरिया ही कर सकता है। इससे यूरिया का ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट कई गुना घट जाएगा। उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया कम बजट में ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्शन देगा। नवीन गल्ला मंडी बाराबंकी में इफ्को के अधिकारियों और किसानों के बीच इंटरैक्शन किया गया। किसानों ने कहा कि नैनो यूरिया से खेती का खर्चा कम हो रहा है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।